

वर्ष-23 अंक- 42
पृष्ठ 8
बुधवार
28 अक्टूबर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध-

फूड लिस्ट में शामिल करें...

विचार-

खतरे में देश की सुरक्षा और विकास

खेल-

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज...

पहले यूपी में माफिया राज था, अब युवाओं को मिल रहे रोजगार के अवसर : योगी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पिछली सरकारों में माफिया व अपराधियों को बढ़ावा दिया गया तथा सरकारी नौकरियों में योग्यता के बजाय सिफारिश और लेनदेन का बोलबाला था। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदलने के साथ युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर उपलब्ध कराए हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया समूह द्वारा आयोजित यूथ आइकन समिट में योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2017 से पहले पहचान और सुरक्षा का संकट था, जबकि उनकी सरकार ने अपराधियों के खिलाफ कर्तई बर्दाश्त न करने की नीति अपनाकर स्थिति बदली है। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा, हमारे विपक्ष के मित्र दुष्प्रचार करने



में पारंगत हैं। उन्होंने अग्निवीर योजना को लेकर भी खूब दुष्प्रचार किया लेकिन हमने चार साल की सेवा करके लौटने वाले अग्निवीरों को प्रदेश के सभी विभागों में सीधी भर्ती के जरिये नौकरी देने की व्यवस्था की है। उन्होंने दावा किया कि पहले प्रदेश में अपराधियों और माफिया का प्रभाव था, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। आदित्यनाथ ने कहा, माफिया मिट्टी में मिल चुके हैं। अब उत्तर प्रदेश में एक जिला, एक माफिया नहीं, बल्कि एक जिला, एक उत्पाद है।

मुख्यमंत्री ने सरकारी भर्तियों में अनियमितताओं का जिक्र करते हुए दावा किया कि पिछली सरकारों के दौरान नियुक्तियों में योग्यता के बजाय कथित तौर पर सिफारिश और लेनदेन को महत्व दिया जाता था। उन्होंने कहा कि एक बार उनके सामने ऐसी फाइल आई, जिसमें कुछ ऐसे लोगों को भी नियुक्ति पत्र दिए जाने का उल्लेख था जिन्होंने आवेदन तक नहीं किया था। आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि पहले किसी भी नियुक्ति की योग्यता का आधार केवल सैफर्ड सिंडिकेट से उसकी

नजदीकी ही होता था या फिर वहां पर लेनदेन कितना हुआ है, इस पर निर्भर करता था, उसकी योग्यता पर नहीं। उन्होंने कहा, मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में हम लोगों ने साढ़े नौ लाख सरकारी नियुक्ति पत्र वितरित किए हैं बिना किसी सिफारिश या लेनदेन के। इसमें कहीं किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया है। आदित्यनाथ ने अगले छह महीने में एक लाख और युवाओं को सरकारी नौकरी देने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि करीब 4500 उपनिरीक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगले सप्ताह नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। इसके अलावा 32 हजार से अधिक पुलिस कांस्टेबलों और 42 हजार होमगार्ड्स जवानों की भर्ती प्रक्रिया पूरी होने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि नियुक्ति पत्र जल्द दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने खिलाड़ियों को भी शपदक लाओ,

पद पाओश की नीति के आधार पर सरकारी नौकरियां दी हैं। उन्होंने बताया कि अब तक करीब 1,400 खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। आदित्यनाथ ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप की संख्या 2017 के करीब 120 से बढ़कर अब 25,000 हो गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने नए उद्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का कोष बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 96 लाख सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) इकाइयां हैं, जिनसे 3.25 करोड़ से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलता है। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश की अर्थव्यवस्था का आकार तीन गुना हुआ है और प्रति व्यक्ति आय में भी तीन गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सभी 57,000 ग्राम पंचायतों में पर्याप्त बिजली उपलब्ध है।

नई दिल्ली, एजेंसी। दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) और खुदरा विक्रेताओं को मिलने वाली कीमत के बीच भारी अंतर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार से सवाल किया। कोर्ट ने पूछा कि पूरा तंत्र दवा निर्माताओं की मदद करने के लिए क्यों काम कर रहा है? केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत को बताया कि सरकार की नीति पूरे तंत्र को नियंत्रित करने की नहीं है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने पूछा, पूरा तंत्र इन लोगों (दवा निर्माताओं) की मदद करने के लिए क्यों काम कर रहा है? कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) पूरी तरह निष्क्रिय संस्था नजर आती है। पीठ देश में दवाओं की कीमतों से जुड़े मुद्दे को उठाने वाली दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। एमआरपी और खुदरा विक्रेता को मिलने वाली कीमत के बीच



भारी अंतर का जिक्र करते हुए पीठ ने कहा, सरकार ऐसा होने दे रही है। यह सब सरकार की अपनी नजरों के सामने हो रहा है। पीठ ने पूछा, क्या इसे मनमाने ढंग से चलने दिया जाना चाहिए? केंसर की दवाओं की कीमतों पर भी उठे थे सवाल 12 अक्तूबर को सुनवाई के दौरान शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि केंसर रोधी दवाओं की खरीद और विक्री के बीच के अंतर को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30 फीसदी तक की सीमित करने के मुद्दे पर केंद्र सरकार का जवाब श्रुश होने लायक बिल्कुल नहीं है। कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया था कि सरकार अन्य दवाओं की खरीद और विक्री के बीच के अंतर को सीमित क्यों नहीं कर सकती? इससे पहले, अस्पतालों की ओर से केंसर की दवाओं की कीमतों में भारी बढ़ोतरी को लेकर शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की थी। इसके बाद केंद्र ने कहा था कि सरकार ने केंसर रोधी दवाओं की खरीद और विक्री के बीच के अंतर को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30 प्रतिशत तक सीमित करने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इससे मरीजों को हर साल लगभग 2,500 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है।

ने यह भी सवाल उठाया था कि सरकार अन्य दवाओं की खरीद और विक्री के बीच के अंतर को सीमित क्यों नहीं कर सकती? इससे पहले, अस्पतालों की ओर से केंसर की दवाओं की कीमतों में भारी बढ़ोतरी को लेकर शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की थी। इसके बाद केंद्र ने कहा था कि सरकार ने केंसर रोधी दवाओं की खरीद और विक्री के बीच के अंतर को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30 प्रतिशत तक सीमित करने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इससे मरीजों को हर साल लगभग 2,500 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है।

लिकटेंस्टीन के प्रिंस एर्लोइस ने पीएम मोदी से की मुलाकात, दोनों देशों के संबंधों को मिलेगी नई रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में लिकटेंस्टीन के हेरिडिटरी प्रिंस एर्लोइस के साथ प्रतिनिधिमंडल-स्तर की बातचीत की। प्रिंस एर्लोइस की यह भारत की दूसरी राजकीय यात्रा थी। इससे पहले,



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में लिकटेंस्टीन के हेरिडिटरी प्रिंस एर्लोइस और हेरिडिटरी प्रिंसेस सोफी से मुलाकात की थी। इस बीच, शाही जोड़े ने राजघाट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की, जहां उन्होंने पुष्पांजलि समारोह में भाग लिया और आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए। कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राजकीय यात्रा के दौरान प्रिंस एर्लोइस से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों में बढ़ती गति पर प्रकाश डाला। एक्स पर एक पोस्ट में, जयशंकर ने कहा, भारत की राजकीय यात्रा पर आए लिकटेंस्टीन के प्रिंस एर्लोइस से मुलाकात करना मेरे लिए खुशी की बात है। उन्होंने आगे कहा, भारत- ईएफटीए टीईपीए से मिले अवसरों की बदौलत, हमारे द्विपक्षीय संबंधों में कई क्षेत्रों में काफी तेजी आ रही है।

राजस्थान में नदियों के प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सीबीआई जांच की दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान में जोजरी-बांडी-लूनी नदी क्षेत्र में कथित अवैध खनन को लेकर सोमवार को राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा है कि वह इस मामले में सीबीआई जांच के आदेश दे सकता है। यह कड़ी टिप्पणी न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने की, जो जोजरी नदी में प्रदूषण से जुड़े एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही थी। शीर्ष अदालत ने बांडी और लूनी नदियों में प्रदूषण के मुद्दे को भी रेखांकित किया। जोजरी नदी जोधपुर से होकर गुजरती है, बांडी नदी पाली से होकर बहती है और लूनी नदी बालोतरा से होकर गुजरती है। बांडी और जोजरी नदियां बालोतरा शहर के पास लूनी नदी में मिल जाती हैं। न्यायालय ने सोमवार को मामले की सुनवाई के दौरान कथित अवैध खनन, खनन पट्टों के नियमितीकरण और बिना आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) के चल रहे उद्योगों से जुड़े मुद्दों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। पीठ ने टिप्पणी की, “अगर हम इसकी जांच-पड़ताल शुरू करते हैं, तो इसमें सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) जांच की जरूरत पड़ सकती है।”

1 नवंबर की कांग्रेस रैली पर बोले शशि थरूर, नागरिकों के अधिकारों पर पार्टी चुप नहीं रहेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच को एक सफल आयोजन बताया। उन्होंने कहा कि इसमें शामिल देशों ने संयुक्त घोषणापत्र को लेकर अपने मतभेदों को आपसी सहमति से सुलझा लिया है। इसके साथ ही, उन्होंने दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को कांग्रेस की प्रस्तावित रैली का भी बचाव किया। पत्रकारों से बातचीत में थरूर ने कहा कि ब्रिक्स सदस्य देशों के सांसद अहम मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक साथ आए थे और यह आयोजन सकारात्मक रूप से संपन्न हुआ। उन्होंने कहा संयुक्त घोषणापत्र को लेकर कुछ चर्चा हुई थी। मुझे पता है कि एक देश कुछ और भी चाहता था, जिसे बाकी देश स्वीकार नहीं कर सके।

ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें वाम दलों ने बनाई मानव शृंखला, एसआईआर रद्द करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) और भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने मंगलवार को

गडबड़ियों का आरोप लगाया। साथ ही, इस प्रक्रिया को रद्द करने की मांग की। यह विरोध प्रदर्शन पहले से जारी आंदोलन

तेज करेंगे। यह माकपा का विरोध प्रदर्शन है। इसमें कई साथी शामिल हो रहे हैं। एक नवंबर को एक बड़ी रैली होगी।



नई दिल्ली में मानव शृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया। दोनों दलों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित

के तहत किया गया। भाकपा सांसद पी संदोष कुमार ने कहा कि आने वाले दिनों में आंदोलन तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह वास्तव में पहले से जारी आंदोलन का हिस्सा है। आने वाले दिनों में हम इसे

कहा, हमारे देश में एसआईआर की प्रक्रिया पर रोक लगनी चाहिए। इसलिए हम चाहते हैं कि सरकार इस प्रक्रिया को रद्द करे। ज्ञानेश कुमार को भी इस्तीफा देना चाहिए। हम यही मांग कर रहे हैं।

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र



Website
www.shaharsamta.com



Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

PRESS
हमेशा आपके साथ



शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

दादूपुर में स्कूल गेट पर पिकअप पलटी, लोग बचे

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के दादूपुर में सोमवार रात करीब नौ बजे एक क्षमता से अधिक भार वाली पिकअप बोलेरो पलट गई। यह हादसा कस्टूरबा गांधी आवासीय स्कूल और जेपीएस स्कूल के गेट के सामने हुआ। भूसे से भरी यह पिकअप अनियंत्रित



होकर पलटी। हादसे में आसपास मौजूद लोग बाल–बाल बच गए। वाहन पलटने से मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया। फिलहाल सड़क के एक तरफ से ही वाहनों की आवाजाही हो रही है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षमता से अधिक भार वाले वाहन सड़कों पर लगातार दौड़ रहे हैं। ऐसे वाहनों के अनियंत्रित होने से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। लोगों ने क्षमता से अधिक भार वाले वाहनों पर प्रभावी रोक न लगने पर पुलिस और जिम्मेदार विभागों की निगरानी पर सवाल उठाए हैं।

मायावती कांशीराम की राजनीतिक उत्तराधिकारी, मैवैचारिक उत्तराधिकारी: चंद्रशेखर

प्रयागराज। विधानसभा चुनाव २०२७ की सियासी बिसात से पहले आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने तैयारियों को धार देना शुरू कर दिया है। सोमवार को भुलई का पूरा में आयोजित बृ्थ कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने चुनावी हुंकार भरी। उन्होंने प्रदेश की योगी सरकार पर निशाना साधते हुए शिक्षा, सड़क, बिजली, पानी और कानून व्यवस्था के मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी विधानसभा चुनाव पूरी मजबूती से लड़ेगी। गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि जब फैसला होगा तो डंके की चोट पर होगा।

चंद्रशेखर आजाद ने बसपा प्रमुख मायावती का जिक्र करते हुए कहा कि वह कांशीराम की राजनीतिक उत्तराधिकारी हैं, जबकि वह खुद (चंद्रशेखर) उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। मायावती के साथ राजनीतिक रूप से चलने की संभावनाओं पर उन्होंने कहा कि जब तक बहनजी नहीं चाहेंगी, तब तक साथ चलना संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि बड़े–बुजुर्गों की सलाह पर इस दिशा में प्रयास भी किया गया था, लेकिन सफलता नहीं मिली। उन्होंने कहा कि स्कूल बंद किए जा रहे हैं और जनता को सुविधाओं के नाम पर परेशान होना पड़ रहा है। सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वालों पर मुकदमे दर्ज किए जाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए। बिना नाम लिए जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के नेता राजा भैया पर निशाना साधते हुए चंद्रशेखर ने खुलेआम हथियारों का प्रदर्शन किए जाने की बात कही। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा पर भी कमजोर बर्गों को सत्ता से दूर रखने की कोशिश करने का आरोप लगाया। वर्ष २०२७ में गठबंधन की संभावनाओं पर उन्होंने कहा कि सरकार को हराने के लिए पूरी ताकत लाई जाएगी। विपक्षी दलों को चुनाव के दौरान ही नहीं, बल्कि उसके बाद भी जनता की समस्याओं और जरूरतों के लिए एकजुट रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीति का उद्देश्य जनता के हितों की रक्षा करना होना चाहिए। चंद्रशेखर आजाद ने डिजिटल मतदाता सूची में वोट चोरी की आशंका जताते हुए चुनाव प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने मैनुअल मतदाता सूची और बैलेट पेपर से चुनाव कराने पर विचार करने की बात कही। उनका कहना था कि ईवीएम के बजाय मतपत्र से मतदान कराने की व्यवस्था पर चर्चा होनी चाहिए।

हाईवे पर प्रतीक्षालय, नहीं रुकती बसें

प्रयागराज। राजमार्ग पर यात्रियों के लिए बनाए गए प्रतीक्षालयों पर परिवहन विभाग की बसें नहीं रुकती हैं। इससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार शिकायत के बावजूद बसों का ठहराव नहीं हो रहा है। वहीं, रखरखाव और साफ–सफाई न होने से प्रतीक्षालय गंदगी से भरे हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए राजमार्ग पर जगह–जगह एक दशक पहले प्रतीक्षालय बनाए गए थे। इन स्थलों पर परिवहन विभाग की बसों के ठहराव की व्यवस्था की गई थी। अब रखरखाव न होने से प्रतीक्षालय के टीन शेड भी अराजकतत्व निकाल ले जा रहे हैं। इलाके के उरुवा, कोढ़निया, टुड़िहार और कोटहा में भी प्रतीक्षालयों में साफ–सफाई नहीं होती है। ग्रामीण राकेश सेठ ने बताया कि शुक्रआती दौर में प्रतीक्षालय पर बसों का ठहराव होता था, पर कुछ दिन बाद यह बंद हो गया। आनंद तिवारी ने बताया कि पहले प्रतीक्षालय से यात्रियों को काफी राहत मिलती थी। अब स्थल पर इतनी गंदगी है कि वहां बैठना भी मुश्किल है। सुनील शुक्ला ने बताया कि प्रतीक्षालय बेकार साबित हो रहे हैं, क्योंकि न बसें रुकती हैं और न ही वहां बैठने लायक जगह है। अजय सिंह ने प्रतीक्षालय को चुस्त–दुरुस्त कर बसों का ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की।

—परिवहन की बस चालकों को सख्त हिदायत दी गई है कि यात्रियों को सुविधा देने में किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। —रविन्द्र सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक परिवहन विभाग प्रयागराज।

२१.६६ करोड़ से सड़क का होगा चौड़ीकरण

प्रयागराज। क्षेत्र के महेशगंज से बेरावां जूड़ापुर बीहर वाया कोराली मार्ग के चौड़ीकरण की उम्मीद एक बार फिर जगी है। १४ किलोमीटर लंबे इस मार्ग के निर्माण के लिए तीसरी बार लोक निर्माण विभाग की ओर से टेंडर निकाला गया है। इस बार सड़क निर्माण पर २१.६६ करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। निविदा की प्रक्रिया पूरी होने के बाद कार्यदायी संस्था को १३ महीने के भीतर निर्माण कार्य पूरा करना होगा। सड़क बनने से कई गांवों के लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी और वे लखनऊ–प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग से सीधे जुड़ सकेंगे। इस मार्ग के निर्माण की कवायद पहली बार वर्ष २०२४ में शुरू हुई थी। विधायक की सिफारिश पर निर्माण खंड–४ की ओर से परियोजना को स्वीकृति मिलने के साथ बजट भी पास हो गया था। सड़क की जद में आने वाले बिजली के खंभों को हटाने का काम भी शुरू कर दिया गया था। हालांकि, बजट के अभाव में आगे निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। जबकि दूसरी बार विधायक की सिफारिश पर सड़क निर्माण के लिए २६.५० करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली। साथ ही टेंडर के लिए प्रकाशन भी किया गया। खास बात यह रही कि इस बार विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मार्ग के निर्माण की मांग उठाई थी। इसके बावजूद निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ सका।

विवाह पंजीकरण में आधार कार्ड उम्र निर्धारण का प्रमाण नहीं, हाईकोर्ट ने कहा– जन्मतिथि का सत्यापन जरूरी

प्रयागराज। विवाह पंजीकरण में आधार कार्ड उम्र निर्धारण का प्रमाण नहीं है। जन्मतिथि का सत्यापन जरूरी है। हाईकोर्ट ने कहा कि संदेह या दस्तावेजों में विसंगति होने पर विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई जाएगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बाल विवाह पर अंकुश लगाने के लिए विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया में उम्र के सत्यापन को अनिवार्य बनाने का निर्देश जारी किया है। न्यायमूर्ति तेज प्रताप तिवारी की कोर्ट ने दीपक पाल की आपराधिक अपील के मामले में फैसला सुनाया। कहा कि केवल आधार कार्ड के आधार पर किसी की उम्र प्रमाणित नहीं मानी जा सकती। स्कूल का स्थानांतरण प्रमाणपत्र भी उम्र साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। विवाह पंजीकरण अधिकारी को वर और वधू दोनों की उम्र

का विश्वसनीय दस्तावेजों से सत्यापन करना होगा। संदेह या विसंगति होने पर विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई जाएगी।

मथुरा निवासी याची ने



द्रायल कोर्ट के दुष्कर्म व पॉक्सो मामले में सुनाई गई सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि घटना के समय पीड़िता की आयु लगभग १९ वर्ष थी। पीड़िता ने स्वेच्छा

से विवाह किया था। विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र भी जारी किया गया है।

कोर्ट ने कहा कि विवाह पंजीकरण का उद्देश्य रिकॉर्ड तैयार करना नहीं बल्कि बाल

जन्मतिथि विश्वसनीय है। हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि विवाह पंजीकरण के लिए उम्र संबंधी दस्तावेजों की प्राथमिकता तय की जाए। उम्र निर्धारित करने में किशोर न्याय अधिनियम की धारा ९४ में निर्धारित क्रम का पालन किया जाए। इसके तहत संबंधित शैक्षिक प्रमाणपत्र और जन्म प्रमाणपत्र को निर्धारित प्राथमिकता के अनुसार देखा जाएगा। विश्वसनीय दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने पर ही नियमानुसार मेडिकल आयु परीक्षण का सहारा लिया जाएगा।

कोर्ट ने राज्य सरकार को ऑनलाइन विवाह पंजीकरण प्रणाली में आवश्यक बदलाव करने का निर्देश दिया है। पोर्टल पर वर–वधू की जन्मतिथि के सत्यापन और उसके स्रोत का रिकॉर्ड दर्ज करना अनिवार्य होगा।

प्रेम विवाह करने वाले युवक की हत्या

विवाद करते थे।

कई बार इसे लेकर पूर्व में मारपीट भी हो चुकी है। आरोप है कि रविवार शाम को उसके चचिया ससुर रज्जन कुमार व सज्जन कुमार पुत्र मक्खन लाल व साला सोनू उर्फ पंक्षी पुत्र खिन्नी लाल व अज्ञात की पुत्र खिन्नी लाल व अज्ञात के घर ले गए और उसकी हत्या कर दी।

रात में घर नहीं आने पर सोमवार सुबह परिवार वालों ने उसकी तलाश शुरू की तो घर से २०० मीटर दूर सड़क पर खून का धब्बा देखकर उन्हें शक हुआ।

शक होने पर जब वह उसकी ससुराल पहुंचे तो वहां कोई नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए औद्योगिक क्षेत्र पुलिस से शिकायत की। इसके पुलिस ने धीरज की तलाश शुरू की लेकिन, उसका कुछ पता नहीं चला।

फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। शाम को नैनी पुलिस को नए यमुना पुल व पुराने यमुना पुल के बीच में नदी में उतराया शव मिला। नैनी पुलिस ने उसे पोस्टमार्टम हाउस भेजते हुए औद्योगिक क्षेत्र पुलिस को सूचना दी। सूचना पर औद्योगिक क्षेत्र पुलिस परिवार वालों को लेकर मोर्चरी पहुंची तो उसकी पहचान

हुई। इसके बाद पुलिस ने धीरज की मां की शिकायती पत्र पर चचिया ससुर रज्जन कुमार व सज्जन कुमार पुत्र मक्खन लाल व साला सोनू उर्फ पंक्षी पुत्र खिन्नी लाल व अज्ञात की खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

युवक का शव नदी में उतराया मिला था। मां की शिकायत पर चचिया ससुर व साले के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपियों की तलाश में टीम बनाई गई है। परिजनों के अनुसार प्रेम विवाह से नाराज होकर घटना को अंजाम दिया गया है। दो संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। —विजय आनंद, एडीसीपी यमुनापार

धीरज का शव सोमवार शाम मिलने के बाद ससुराल वालों के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है। गांव वालों ने बताया कि इसके पूर्व भी धीरज व उसके ससुराल वालों के बीच कई बार विवाद हो चुका है। रिंग रोड चौराहे के पास छह माह पहले धीरज की उसके चचिया ससुर ने पिटाई की थी। चार माह पहले धीरज ने अपने चचिया ससुर पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया था।

धीरज की लव मैरिज के बाद से उसके ससुराल वाले यहां अधिक नहीं रहते थे। कुछ

कलह के चलते विकास अधिकारी ने पत्नी की गला घोंटकर की हत्या

प्रयागराज। नवाबगंज के मलाक हरहर स्थित मंदाकिनी कॉलोनी में रविवार रात घरेलू कलह के चलते एलआईसी के विकास अधिकारी ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोप है कि एलआईसी की फाफामऊ शाखा में तैनात आरोपी रमेश चंद्र ने कथित तौर पर पुलिस को फोन कर पत्नी तारा देवी (४२) के आत्महत्या करने की सूचना दी थी। हालांकि, मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों को मृतका के बच्चों और पड़ोसियों ने गला दबाकर हत्या किए जाने की बात बताई। इसके बाद पुलिस ने पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो पोल खुल गई। मृतका के पिता की तहरीर पर फाफामऊ पुलिस ने पति समेत छह लोगों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की है। सराय जयराम गांव निवासी रमेश चंद्र मलाक हरहर की मंदाकिनी कॉलोनी में मकान बनवाकर परिवार के साथ रहता है। वह एलआईसी की फाफामऊ शाखा में विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत है। आरोप है कि रविवार रात करीब १० बजे घरेलू कलह के चलते उसने अपनी पत्नी तारा देवी की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद पुलिस को फोन कर पत्नी के आत्महत्या करने की सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो मृतका के बेटे पीयूष (१७), आयुष (११) और आरुष (४) के साथ पड़ोसियों ने घटना को लेकर अलग जानकारी दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि तारा देवी ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उनकी गला दबाकर हत्या की गई है। इसके बाद पुलिस ने रमेश चंद्र को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। घटना की जानकारी मिलने पर मृतका के पिता श्याम बिहारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बेटी के पति रमेश चंद्र, जेट कमलेश कुमार, जेट की पत्नी, देवर राजेश कुमार, देवर की पत्नी और जेट के बेटे सतीश को नामजद किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, एसीपी थरवई अजेंद्र यादव ने बताया कि महिला की मौत के मामले में उसके पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मृतका के पिता की तहरीर पर छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

शृंग्वेरपुर धाम की आरती को विश्वभर में पहुंचाएं: स्वामी चिदानंद

प्रयागराज। भगवान श्रीराम की निषादराज गुह से मित्रता और निषाद समाज के आत्मीय संबंधों की साक्षी पावन धरती शृंग्वेरपुर धाम में ३७वें राष्ट्रीय रामायण मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कार्तिक एकादशी से कार्तिक पूर्णिमा तक २० से २४ नवंबर के बीच आयोजित होने वाले पांच दिवसीय मेले के सफल आयोजन की कामना से सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गंगा पूजन एवं गंगा आरती की गई। हरिद्वार स्थित परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि शृंग्वेरपुर धाम दिव्यता और आस्था की धरती है। भगवान श्रीराम के वनगमन के प्रसंग में निषाद समाज का विशेष स्थान है। यहां निषाद समाज के लोगों को भगवान श्रीराम की सेवा और उनके प्रति समर्पण का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह भूमि सामाजिक समरसता, प्रेम और भक्ति का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि शृंग्वेरपुर धाम की आरती विश्व स्तर पर पहुंचे और यहां आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों की सुगंध पूरे विश्व तक फैले। इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वे शृंग्वेरपुर धाम को सजाने–संवारने और इसकी धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में अपना योगदान दें। गंगा पूजन में महंत कमलदास महाराज, सांसद प्रवीण पटेल, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, माधव दास महाराज और राघव दास महाराज शामिल हुए। रामायण मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष बालकृष्ण पांडेय, उपाध्यक्ष सियाराम सरोज और जेएन यादव ने भी पूजन में सहभागिता की। संचालन रामायण मेला आयोजन समिति के महामंत्री उमेश चंद्र द्विवेदी ने किया। मौके पर सहकारी संघ के अध्यक्ष कृष्ण चंद्र पांडेय, बलराम सिंह, अमित द्विवेदी, विनोद ओझा, अमरजीत कुशवाहा और आलोक तिवारी, क्षेत्र पंचायत सदस्य रामचंद्र फौजी आदि रहे।

एक किमी कच्चे रास्ते पर दर्दभरा सफर, पक्की सड़क का इंतजार

प्रयागराज। बहरिया क्षेत्र के कहली–कुशहरा गांव की पटेल बस्ती को जोड़ने वाला एक किलोमीटर लंबा कच्चा संपर्क मार्ग बदहाल है। इससे करीब दो हजार लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। रास्ते पर पानी जमा होने और ऊबड़–खाबड़ जमीन के कारण लोगों को दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। स्कूली बच्चों को फिसलकर गिरने का डर रहता है, जिससे अभिभावक भी चिंतित हैं। दोपहिया, चारपहिया वाहन चालकों, बुजुर्गों और महिलाओं को भी आवागमन में दिक्कतें आती हैं। श्याम बहादुर पटेल सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि मार्ग की बदहाली से रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों में इस मार्ग की अनदेखी को लेकर नाराजगी है। राम अवतार गुप्ता और सुखदेव यादव जैसे ग्रामीणों ने पक्की सड़क बनाने की मांग की है। उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से जल्द समाधान की गुहार लगाई है।

कहीं डीएपी के लिए कतारें, कहीं समितियों पर ताले

प्रयागराज। खेत तैयार हैं, आलू की बुवाई का समय है, लेकिन डीएपी खाद के लिए किसानों को भटकना पड़ रहा है। खाद की किल्लत ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। साधन सहकारी समितियों के सचिवों की हड़ताल से संकट और गहरा गया है। कहीं खाद लेने के लिए किसानों की कतारें लग रही हैं तो कहीं समितियों पर ताले लटके हैं। क्षेत्र के किसान कमलेश कुमार, राम लखन पटेल और राम अधार यादव का कहना है कि आलू की बुवाई के लिए खेत तैयार करने में किसान पहले ही मेहनत और पैसा लगा चुके हैं। अब समय पर डीएपी नहीं मिलने से उन्हें बुवाई पिछड़ने और फसल की पैदावार प्रभावित होने की चिंता सता रही है।७० दिन बाद पहुंची डीएपी, खाद लेने को उमड़े किसान घियानगर स्थित इफ्को किसान सेवा केंद्र पर सोमवार



को डीएपी की रैक पहुंचने की सूचना मिलते ही किसान जुटने लगे। सुबह से शाम तक केंद्र पर गहमागहमी बनी रही। केंद्र प्रभारी अमन सिंह ने बताया कि करीब ७० दिन बाद डीएपी की रैक आई है। सोमवार को लगभग २०० किसानों को कुल ५०० बोरी खाद वितरित की गई। फूलपुर क्षेत्र की आठ साधन सहकारी समितियों में कपसा, मैलहन, भुलई का पूरा, परासिनपुर, हेमापुर, तारडीह, अरवासीमय बहादुरगढ़ और चकरा अली उर्फ पूरे गोपाली शामिल हैं। सहायक विकास अधिकारी सहकारिता श्यामधर के अनुसार, इनमें से तीन समितियों को छोड़कर बाकी में खाद उपलब्ध है। जिन समितियों पर डीएपी नहीं है, वहां जल्द आपूर्ति होने की उम्मीद है। राज्य कर्मचारी का दर्जा दिए जाने समेत अन्य मांगों को लेकर साधन सहकारी समितियों के सचिव चार दिन से हड़ताल पर हैं। इसका असर सहस्रों विकासखंड में दिखाई दे रहा है। सहस्रों, बागी, भरपूर, अमरसापुर, खोदायपुर और बाबूगंज की साधन सहकारी समितियां बंद होने से किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है। आलू की बुवाई के महत्वपूर्ण समय में समितियों पर ताले लटकने से किसानों की परेशानी बढ़ गई है। खाद लेने पहुंच रहे किसानों को निराश होकर लौटना पड़ रहा है।

फूलपुर क्षेत्र की आठ साधन सहकारी समितियों में से तीन को छोड़कर बाकी में खाद उपलब्ध है। जिन समितियों पर खाद नहीं है, वहां जल्द आपूर्ति होने की उम्मीद है।—श्यामधर, सहायक विकास अधिकारी सहकारिता फूलपुर।

सचिवों की हड़ताल से सहकारी समितियों में ताला साधन सहकारी समितियों के सचिव अपनी कई मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। इससे समितियों में ताला लगा हुआ है और किसान परेशान हो रहे हैं। सचिवों की हड़ताल के कारण आलू की बुवाई के लिए डीएपी उर्वरक नहीं मिल पा रहा है। वे कई दिनों से समितियों को नहीं खोल रहे हैं। न ही उर्वरक की मांग कर रहे हैं और न ही उसकी बिक्री कर रहे हैं। साधन सहकारी समिति तेंडुआ कला के सचिव आलोक तिवारी ने बताया कि मांगें पूरी न होने तक हड़ताल जारी रहेगी। मेजा विकास खंड और उरुवा की सभी आठों समितियों में ताला लटका है। निबैया के किसान किशोरी लाल पटेल ने बताया कि डीएपी न मिलने से आलू की बुवाई प्रभावित हो रही है।

क्षतिग्रस्त डायवर्जन मार्ग बना हादसों का सबब

प्रयागराज। नगर पंचायत मऊआइमा में निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज का डायवर्जन मार्ग क्षतिग्रस्त है। इससे हादसे बढ़ गए हैं और कारोबार प्रभावित हो रहा है। ई–रिक्शा पलटने से यात्री घायल हो रहे हैं, वहीं बाइक सवार गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। मऊआइमा रेलवे क्रॉसिंग फाटक संख्या ६१बी पर १२४ करोड़ रुपये की लागत से ८५० मीटर लंबा ओवरब्रिज बन रहा है। व्यापारियों का आरोप है कि मार्ग खराब होने से बड़े वाहन दस किलोमीटर दूर से गुजर रहे हैं। इससे राहगीरों की भी जाम में फंसना पड़ रहा है। व्यापारियों ने डायवर्जन मार्ग की रमरमत व साइड रोड के समतलीकरण की मांग की। नगर पंचायत अध्यक्ष शोएब अंसारी ने वैकल्पिक मार्ग बनाने की मांग की। सेतु निगम के अवर अभियंता अजीत कुशवाहा ने बताया कि डायवर्जन रोड और बगल के मार्ग पर तत्काल काम शुरू होगा।

सड़क डामरीकरण की खानापूर्ति पर विरोध में उतरे ग्रामीण

प्रयागराज। क्षेत्र के कोसफरा राजबहा नहर पर ग्रामीणों ने सड़क डामरीकरण का काम रुकवा दिया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग पर खानापूर्ति का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने स्टेट हाईवे बीपी मार्ग से स्टेट हाईवे मेजा वाली रोड को जोड़ने वाली बाईपास सड़क पर धधली का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि सड़क बनने से पहले पटरी पर घास की सफाई नहीं की गई। साथ ही, सड़क पर बने गड्ढों को भी नहीं पाटा गया। आरोप है कि निर्माण में महज काली चटाई दी जा रही है। इसमें घटिया डामर का इस्तेमाल हो रहा है। सड़क बनते ही उसकी छरियां बाहर बिखरने लगी हैं। विरोध करने वालों में शहादत अली, अनिल कुमार जायसवाल, पारस जायसवाल और धर्मेंद्र कुमार जायसवाल शामिल रहे।

उत्तर मध्य रेलवे		ई-निविदा सूचना
निविदा सूचना नं.: 92202862027		दिनांक : 23.10.2028
सम्बन्धित प्रस्तावक/इंजीनियर/उत्तर मध्य रेलवे स्थापनाद्वारा संचालित रास्तेमार्ग के बिंदु एवं ऊपर उल्लेखित नं. निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदा प्रणाली पर दिनांक 18.11.2029 को 18-30 बजे तक अपडेट की जाती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-		
कार्य नं. 1	निचो संख्या :- 192	अनुमानित मूल्य (₹) :- 4,67,77,319.20
कार्य का विवरण : सायाग महानदी इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे/नैनी से मानिकपुर (विभिन्न स्टेशनों पर फिल ग्राहों (grahyavahak) उपस्थाकरण/निर्माण करने का कार्य)		
अधिगत धारणीय मूल्य (₹)	: 9,36,009.00	कार्य सम्पन्न की अवधि : 12 माह
निविदा सूचने की तिथि : 18.11.2029		
मात्रता मापदंड के अंतर्गत विस्तार कार्य : निम्नलिखित निर्धारित का कोई कार्य		
कार्य नं. 2	निचो संख्या :- 194	अनुमानित मूल्य (₹) :- 84,26,339.26
कार्यों का विवरण : नैनी से मानिकपुर सीजन के तहत मानिकपुर में कनेक्टेड फाइलवाइन कार्यों के माफ़ निष्पादन (विद्युत/काष्ठ पार्श्व के खराब द्वारा उत्पन्न अनुभूति सह वर्गीकृत)		
अधिगत धारणीय मूल्य (₹)	: 1,68,009.00	कार्य सम्पन्न की अवधि : 12 माह
निविदा सूचने की तिथि : 18.11.2029		
मात्रता मापदंड के अंतर्गत विस्तार कार्य : निम्नलिखित निर्धारित का कोई कार्य		
नोट :- 1. अनुभव ई-निविदा पर पूर्ण विवरण निविदा प्रणाली वेबसाइट www.irga.gov.in पर समय 13-30 बजे तक निविदा सूचने की तिथि दिनांक 18.11.2029 तक उपलब्ध है। निविदा आवेदकों को निम्न तरीके को 15-00 बजे या उसके बाद निविदा सूचने की तिथि दिनांक 18.11.2029 को ई-निविदा प्रणाली पर अपडेट कर दिया जाना चाहिए। 2. अनुभव ई-निविदा प्रणाली पर अपडेट कर दिया जायेगा। इस प्रक्रिया शुरू करने को वांछित ई-निविदा प्रणाली उपयोगकर्ता आई.टी.ओ-2000 के अनुसार C.G.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्राप्त कर के मात्र IRGAS पर वेबसाइट पर वकीली करना होगा। 3. निविदा की ओर केवान डिजिटल हस्ताक्षर/प्रमाणित रूप पर ही दिखाएँगी है। दरे तक अनुरोधित प्रमाण प्राप्त किसी भी कार्य/प्रस्ताव के लिए यह स्थिति होगी, जो उस पर विचार नहीं किया जाएगा तथा सीधी तौर पर अपना कर दिया जाएगा। 4. सभी निविदादाता निविदा संख्या 193 से 194 जिसमें निविदा का मूल्य ₹ 50 लाख से अधिक है के लिए Annexure-V & VI(A) (Document Verification Certificate) को आवश्यकता है। मात्र एक/अधिका सेवकों के समर्थन/लेखकों/साम्प-कल्प पर निर्धारित ए.पी.एस.टी. एवं सेवा नियमों के अनुसार होगा। 5. निविदा सूचने पर उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी उपस्थित कर दिया गया है। 6. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IRGAS पर वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 7. अनुभव निविदा तिथि 18.11.2029 को 13-30 बजे तक प्रत्यक्ष को जमा कर दिया जाएगा। 8. ई-टेंडर फॉर्म सभी निविदाकारी के मुहूर्त जारी किए जाएंगे। 9. निविदा संख्या 193 से 194 के लिए निविदाकारी को जी.सी.टी.-2022 (मुद्रात्मक प्रमाण-1) के पैरा 10 से 18 के अनुसार निम्नलिखित आवश्यकताओं का निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा अनुभव निविदा अध्यापक सभी आवेदकों एवं तत्वपूर्ण अधिकारताओं होती।		
© North central railways www.nccr.indianrailways.gov.in		2426/Z6 (C) © CPRONC

सम्पादकीय.....

दिव्यता के दिव्यांग

जापान के आईची-नागोया में संपन्न पैरा एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने नया इतिहास रचा है। अब तक हुए पैरा एशियन खेलों में हमारे खिलाड़ियों का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में तीस स्वर्ण व पैंतीस रजत पदकों समेत कुल 114 पदक भारत की झोली में डाले। जबकि 2023 के पैरा एशियन गेम्स में एक बड़े दल ने 108 मेडल ही जीते थे। इस बार के खिलाड़ियों का दल पिछले के मुकाबले छोटा था, मगर उपलब्धियां बड़ी रही। एक ओर जहां जापान में संपन्न एशियाई खेलों में भारतीय दल पांचवें स्थान पर रहा था, वहीं पैरा खिलाड़ियों की कामयाबी ने देश को एशिया में चौथे नंबर का विजेता बनाया है। आईची-नागोया में संपन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने कई नए रिकॉर्ड बनाये और कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं। जापान में पहली बार आयोजित इन खेलों में एशिया के 45 देशों व क्षेत्रों के चार हजार खिलाड़ी व कोच आदि शामिल थे। इन खेलों का पहला संस्करण वर्ष 2010 में चीन के ग्वांगझू में आयोजित हुआ था। निश्चय ही भारतीय खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, लगन व आत्मविश्वास से यह असामान्य कामयाबी हासिल की है। इन खिलाड़ियों की यह सफलता हर किसी भारतीय के लिये प्रेरणादायक है कि किसी भी तरह की शारीरिक अपूर्णता हमारे इरादों को कमजोर नहीं कर सकती है। हमें हर चुनौती में सकारात्मक रहते हुए अपने लक्ष्य हासिल करने चाहिए। हम बड़े सपने देख सकते हैं और कड़ी मेहनत व लगन से उन्हें हकीकत में बदल सकते हैं। आईची-नागोया में संपन्न पैरा एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने हर क्षेत्र में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करवायी है। पैरा एथलेटिक्स खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। जिसमें कुल पैंसठ पदक जीते गए। इसके अलावा पदकों के अनुपात में यह कामयाबी बैडमिंटन, तैराकी और तीरंदाजी में रही। वहीं निशानेबाजी, टेबल-टेनिस, जूडो और पावरलिफ्टिंग में भी हमने पदक जीते। इन्हीं कामयाबियों से हम अब तक के पैरा एशियन गेम्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब रहे। कल्पना की जा सकती है कि हमारे पैरा खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिये कितनी मेहनत की होगी। एक तो विभिन्न किस्म की शारीरिक चुनौतियों व अपूर्णताओं से जूझना और फिर एशिया स्तर तक के मुकाबले के लिये योग्यता हासिल करना। कहावत है कि 'सुबह जिसकी हुई, वह सचमुच सारी रात नहीं सोया होगा।' कहने का अभिप्राय यह है कि जब किसी व्यक्ति को कोई सफलता मिलती है तो उसके पीछे उसका लंबा त्याग, संघर्ष और मेहनत शामिल होती है। खासकर उस समाज में जहां दिव्यांगों को हेय भाव से देखा जाता है। हमारा सामाजिक ढांचा अब तक ऐसा नहीं बन पाया है, जिसमें दिव्यांगों का जीवन सहज-सरल हो सके। हम उनके जीवन को सहज बना सकने वाली सुविधाएं, उन्हें अब तक उपलब्ध नहीं करा पाए। देश के हर छोटे-बड़े शहर में ऐसी खेल सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए, जहां पैरा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को निखार सकें। साथ ही सरकार को इन खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देने के बजाय ऐसे अवसर उपलब्ध कराने चाहिए, जिससे उनका शेष जीवन सुखमय-सुविधामय हो सके।

विश्व सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा विपक्ष के नेता का उपहास करना हास्यास्पद

डॉ. ज्ञान पाठक

प्रधानमंत्री को विपक्ष के नेता की जोरदार आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन पद की गरिमा कड़ी राजनीतिक आलोचना और व्यक्तिगत उपहास के बीच अंतर की मांग करती है। फिर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 अक्टूबर 2026 को एनडीटीवी द्वारा आयोजित एक विश्व सम्मेलन में अपने प्रतिद्वंद्वी लोक सभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी का उपहास किया, जहां दर्शक मुख्य रूप से भारत की वैश्विक स्थिति में रुचि रखते थे और एक सामान्य भारतीय चुनावी रैली में भाग नहीं ले रहे थे। स्पष्ट रूप से, प्रधानमंत्री मोदी ने राजनेता के रूप में चूक की, जब उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को शरणाग्रस्त उद्घाटन कहकर व्यक्तिगत उपहास किया, अव्यवस्था का सपना देखने का आरोप लगाया, अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दल कांग्रेस को शरणाग्रस्त कहा और कहा कि उस पर डिमांड नक्सलियों का प्रभुत्व है, जो भारत का उद्वेगनाम करने और नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने और भी बहुत कुछ कहा जिसे उनके पद की गरिमा और अवसर के आधार पर अनुचित कहा जायेगा। यह आश्चर्य की बात थी कि एक विश्व सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने प्रतिद्वंद्वी नेता और राजनीतिक दल की आलोचना करते हुए सत्तारूढ़ राजपा के नेता के रूप में बात की और ऐसा लगा कि वह भूल गए थे कि वह भारत की सरकार के चुने हुए प्रमुख हैं और उन आश्चर्यों के सामने बोल रहे थे जो उन मुद्दों में रुचि रखते हैं जिनका दुनिया आज सामना कर रही है, न कि भारत के अन्दर की उस राजनीति में जो घटिया स्तर की मानी जाती है। किसी

डॉ. दीपक पाचपोर

मुख्यमंत्री का
इस्तीफा, राष्ट्रपति
शासन और फिर नए
मुख्यमंत्री के आने के
बावजूद कुकी और मैतेई
समुदायों के बीच जो
जातीय हिंसा शुरू हुई,
वो किसी भी तरह रुकने
का नाम नहीं ले रही है।

पिछले तीन सालों से मणिपुर में जारी हिंसा पर मोदी सरकार अब तक रोक नहीं लगा पाई है। मुख्यमंत्री का इस्तीफा, राष्ट्रपति शासन और फिर नए मुख्यमंत्री के आने के बावजूद कुकी और मैतेई समुदायों के बीच जो जातीय हिंसा शुरू हुई, वो किसी भी तरह रुकने का नाम नहीं ले रही है। अभी अक्टूबर महीने में ही कम से कम 14 लोगों की जान इस हिंसा में चली गई है। लेकिन पुलिस का कहना है कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। मुमकिन है पुलिस अपनी हद में संभव सारे उपायों को आजमा भी रहे हो, लेकिन जब तक सरकार नहीं चाहेगी, शांति कायम नहीं होगी, यह तथ्य है। राज्य और देश में पुलिस का नहीं भाजपा का शासन है, लिहाजा पहली जिम्मेदारी उसी की बनती है। मगर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने पूर्वोत्तर राष्ट्रों को उनके हाल पर छोड़ दिया है, यह

लगातार नजर आ रहा है। मणिपुर के बाद अब अरुणाचल प्रदेश के हालात बिगड़ रहे हैं। एक तरफ चीन की तरफ से अतिक्रमण रुक नहीं रहा है और दूसरी तरफ सियांग बांध परियोजना के विरोध में स्थानीय लोग उतर आए हैं। देश के मीडिया का वह हिस्सा जो खुद को मुख्यधारा कहता है, उसका भी रवैया पूर्वोक्त को लेकर सरकार से अलग नहीं है। यहां की खबरें उसके लिए तभी मायने रखती हैं जब उनसे कुछ सनसनी फैलाने की गुंजाइश उसे नजर आए। वर्ना क्या कारण है कि अरुणाचल प्रदेश के लोग जब लगातार चीन की घुसपैठ को लेकर आवाज उठा रहे थे, यहां तक कह रहे थे कि कुछ दिन में हम चीनी कहलाएंगे, भारतीय नहीं, तब भी मीडिया में इन खबरों को प्रमुखता से दिखाकर सरकार से सवाल नहीं पूछे गए। किसी भाजपा प्रवक्ता को बिठाकर एकर्स नो यह नहीं कहा कि जो ऐसे वीडियो आ रहे हैं, उन पर आपका

व्या कहना है। पाकिस्तान ने कब, कहाँ से घुसपैठ की योजना बनाई, देश में कौन लोग हैं जो पाकिस्तान का बोलते हैं, इन सब पर तो मीडिया खूब खबरें चलाता है और खबरें न हों ता किसी न किसी तरह बनवा लेता है। अभी छात्र आंदोलन या वोट चोरी के खिलाफ हो रहे आंदोलन में भी पाकिस्तानी मदद का पड़चंत्र इस तथ्याकथित मुख्याधार के मीडिया ने पकड़ लिया है। लेकिन चीन किस तरह अरुणाचल प्रदेश पर अपना कब्जा बढ़ाता जा रहा है, उस पर अरुणाचल प्रदेश के लोग लगातार बता रहे हैं, वहाँ का मीडिया इस पर खबरें बना रहा है, मगर उन पर न दिल्ली में बैठे सेलिब्रिटी एंकर्स बात कर रहे हैं, न उनकी मालिक सरकार कुछ कह रही है। लेकिन सच बहुत वक्त तक छिपता नहीं है। हाल ही में आईटीबीपी के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने बताया है कि अरुणाचल प्रदेश में चीन के साथ लगातार मुठभेड़ हो रही है। उन्होंने

यह भी कहा कि अब पारंपरिक तरीकों से चीन का मुकाबला करना संभव नहीं है। कायदे से इस भाषण के बाद रक्षा मंत्री, गृहमंत्री और प्रधानमंत्री तीनों को वस्तुस्थिति बतानी चाहिए थी। संसद सत्र में तो विपक्ष इस पर सवाल पूछेगा ही, लेकिन देश की सीमा पर क्या चीन से खतरा बढ़ा है, यह जानकारी देने के लिए सत्र का ही जतनकार नहीं किया जा सकता।

भारत बजाए स्पष्टीकरण देने के सरकार ने इस भाषण को ही आईटीबीपी के हैंडल से हटवा दिया है। याद कीजिए जब राहुल गांधी ने लोकसभा में पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की आत्मकथा श्मशान स्टारस ऑफ डेस्टिनीज का जिक्र कर बताया था कि 31 अगस्त 2020 को लद्दाख के रेचिन ला पास पर चीनी सेना के चार टैंकों और सैनिक आगे बढ़ रहे थे, तो कार्रवाई के लिए राजनय नरवणे ने रक्षा मंत्री जयराज सिंह से बात की थी, तब उन्हें ऊपर यानी प्रधानमंत्री

कार्यालय से यह निर्देश मिला था कि—'ज्यों उचित समझो, वो करो।'
राहुल गांधी के इस खुलासे पर भाजपा फंस गई तो उसने फिर इस मुद्दे पर राहुल को बोलने ही नहीं दिया और न ही नवरणे को किताब को प्रकाशन की अनुमति मिली।
मोदी सरकार का तरीका यही है कि न खुद सच बताओ, न किसी और को बताओ दो। लेकिन सच फिर भी सामने आ जाए, तो उसे दबा दो। सच को दफन कर—कर के ही पिछले 12 सालों से मोदी सरकार चली जा रही है। लेकिन इसका खामियाजा अब राज्यों को ज्यादा भुगतना पड़ रहा है, जो पहले दुर्गति से भोगोलिक तौर पर दूर थे और अब भावनात्मक तौर पर भी अलग-थलग किए जा रहे हैं। इन राज्यों में भाजपा को सत्ता तो चाहिए, लेकिन केवल इसलिए किताफि यहां की प्रचुर प्राकृतिक संपदा का मनचाहा दोहन उसके चहेते उद्योगपति कर सकें।

करवा चौथ का चांद

दूसरी स्त्रियों को करवा चौथ पर सजते, संवरते और अपने पति की दीर्घायु के लिए व्रत करता देख कर ही मैंने भी करवा चौथ का व्रत रखना शुरू किया था। ऐसा ही होता है, ज़्यादातर नव विवाहिताएँ इसी तरह करवा चौथ का व्रत करने लगती हैं। कहीं कहीं चूँकि सासु माँ व्रत रख रही हैं तो बहु को तो रखना ही पड़ेगा। इसी सोच के साथ भी मनाया जाता है करवा चौथ। ईश्वर के प्रति विश्वास और अपने शरीर के प्रति जिम्मेदारी एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं।

इसीलिए परिवार व्रत रखने वाली महिलाओं पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उनके स्वास्थ्य, सुविधा और निर्णय का सम्मान करें तो पति-पत्नी का मंगल, साथ-साथ परिवार का भी।

करवा चौथ का निर्जला व्रत अनेक महिलाओं के लिए गहरी आस्था का विषय है। फिर भी

यह याद रखना आवश्यक है कि हर व्यक्ति की शारीरिक आवश्यकताएँ और स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियाँ अलग-अलग होती हैं। गर्भावस्था, मधुमेह, कुछ अन्य स्वास्थ्य समस्याओं या नियमित दवाएँ लेने की स्थिति में उपवास के संबंध में डाक्टर की सलाह लेना ही उचित है। आवश्यकता पड़ने पर क्रतु स्वरूप में बदलाव करना या व्रत न रखना भी एक विवेकपूर्ण निर्णय हो सकता है। आस्थायिक का उद्देश्य जीवन में मंगल और संतोष की भावना जगाना है, न कि किसी व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति जोखिम उठाने के लिए बाध्य करना।

इस व्रत के सकारात्मक पक्ष

की बात करें तो परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के नए अवसर बनाने में इस तरह के त्वर-उपवास का विशेष महत्व है। लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी है। जब त्योहार का मूल्य महँगे उपहारों, आभूषणों, सजावट और दूसरों से बेहतर दिखने की प्रतिस्पर्धा को रूल लेने लगता है तो उसके मूल भाव पीछे छूट जाते हैं। करवा चौथ की सुंदरता किसी विशेष पोशाक, महँगी पूजा की थाली या सोशल मीडिया पर मिलने वाली प्रशंसा में नहीं है। उसकी वास्तविक सुंदरता उस भावना में है, जिसके कारण एक युवती अपने जीवन साथी की लंबी उम्र की कामना करती है और उसकी सलामती मांगती है। त्योहार का बाज़ारीकरण उसकी चमक बढ़ा सकता है, परंतु उसकी आत्मा को जीवित रखने के लिए संवेदना, सादगी और आत्मीयता ज़्यादा ज़रूरी हैं।

इसका सीधा मतलब बस इतना है कि कोई स्त्री यदि अपनी ईच्छा से व्रत रखती है तो उसके निर्णय को उसका आस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के रूप में देखा जाना चाहिए। दूसरी ओर यदि कोई स्त्री व्रत नहीं रख सकती तो उसे कम समर्पित पत्नी मानना उचित नहीं होगा। ठीक उसी तरह जैसे किसी पुरुष का अपनी पत्नी के लिए व्रत रखना या न रखना उसके पूरे वैवाहिक प्रेम का अंतिम प्रमाण नहीं हो सकता।

यह नहीं कि दोनों व्यक्तियों को प्रत्येक परंपरा का पालन एक ही ढंग से करना होगा। इसका

अर्थ यह है कि दोनों को अपने निर्णय लेने की समान स्वतंत्रता सम्मान और अवसर प्राप्त हों। इस दृष्टि से करवा चौथ को स्त्री-पुरुष समानता के विरुद्ध खड़ा करने के बजाय उसे एक-दूसरे के प्रति सम्मान, प्रेम और आस्था प्रकट करने का ढंग और आपसी समझ पर आधारित संबंधों के संदर्भ में समझना बेहतर होगा।

पति—पत्नी को साझेदारी, एक नई परंपरा

यह परिवर्तन केवल एक रसम में बदलाव नहीं, बल्कि संबंधों में साझेदारी विकसित होने की भावना है। जब पति पत्नी के लिए व्रत रखता है, तो इसका अर्थ यह नहीं कि वह किसी परंपरा की नकल कर रहा है। वह यह संदेश भी दे सकता है कि प्रेम और मंगलकामना किसी एक लिंग की जिम्मेदारी नहीं हैं। इसी तरह, पति द्वारा पत्नी को उपहार देना या उसने के लिए विशेष आयोजन करना प्रेम की अभिव्यक्ति हो सकती है, लेकिन प्रेम का वास्तविक मूल्य महंगे उपहारों में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के व्यवहार में दिखाई देता है। बीमारी में एक—दूसरे की देखभाल करना, मुश्किल घड़ी में एक—दूसरे का साथ निभाना, मतभेदों के बावजूद एक—दूसरे का सम्मान बनाए रखना, घरेलू जिम्मेदारियों और बच्चों की परवरिश में साझेदारी करना, एक—दूसरे की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आकांक्षाओं को स्वीकार करना। ये वो व्यवहार हैं, जो करवा चौथ के एक दिन के इस उत्सव को पूरे वर्ष के संबंधों में अर्थ प्रदान करते हैं।

मैं करवा चौथ का वो चांद हूँ, जो रोज निकलता है, रोज

चमकता है और रोज़ सूरज की
रौशनी में कहीं आसमां की तरह
घर की चाहर दीवारी में ही बुझ
सा जाता है। जब कोई स्त्रा
ऐसा कहती है तो वो कोई
शिकायत नहीं कर रही, वो
बस इतना बताना चाहती है कि
उसके जीवन साथी को इस
चांद को भी उतना ही महत्व
देना चाहिए, जितना कि वो
बालकनी से या खुले आसमां
के नीचे खड़े होकर ऊपर चांद
की खूबसूरती निहारते वक़्त
उस चांद को देता है। वही
नजर, वही नज़रिया और कुछ
वैसी ही आसक्ति लगभग हर
सिंहिनी चाहती है, अपने साथी
से।

आज जो परिवर्तन हम देख रहे हैं उस में त्योहारों के प्रति नारी की दृष्टि को भी व्यापक बनाया है। आज अनेक महिलाएं करवा चौथा का व्रत अपनी आस्था और प्रसन्नता से रखती हैं। कुछ महिलाएं इसे अपनी पारिवारिक परंपरा मानती हैं। कुछ इसे प्रेम की अभिव्यक्ति समझती हैं, जबकि कुछ महिलाएं स्वास्थ्य, व्यक्तिगत पसंद या फिर उन्हें यह व्रत रखना अच्छा लगता है, इसलिए व्रत रखती हैं। दूसरी तरफ़ कुछ अपनी स्वास्थ्य जनक समस्याओं के कारण, कुछ नई सोच समझ, समानता और अपने विश्वास की वजह से व्रत नहीं रखतीं। इन सभी दृष्टिकोणों का सम्मान आवश्यक है।

आधुनिकता का अर्थ परंपराओं को नकारना नहीं है और परंपरा का अर्थ प्रत्येक प्रथा को बिना प्रश्न स्वीकार करना भी नहीं है। परंपरा तभी जीवंत रहती है, जब वह व्यक्ति की स्वतंत्रता, गरिमा और बदलती

जीवन-परिस्थितियों के साथ
संवाद करती है। इसलिए करवा
चौध की सार्थकता इस बात में
नहीं कि हर स्त्री इसे अनिवार्य
रूप से मनाए, बल्कि इस बात
में है कि जो इसे मनाए, वह
अपनी आस्था और इच्छा से
मनाए।

ताना-बाना और करवा चौथ
आज की युवा पीढ़ी रिश्तों
को केवल सामाजिक दायित्व
के रूप में नहीं, बल्कि भावनात्मक
अनुकूलता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता
और साझा जिम्मेदारियों का
आधार पर भी देखती है। ऐसे में
करवा चौथ का भविष्य इस बात
पर निर्भर करेगा कि हम इसे
केवल रस्मों तक सीमित रखते
हैं या इसके भीतर छिपे प्रेम,
विश्वास और मंगलकामना के
भाव को नई पीढ़ी के जीवन से
जोड़ पाते हैं। नई पीढ़ी को यह
समझने का अवसर मिलना
चाहिए कि परंपराओं का सम्मान
करना और उन पर विचार करना
परस्पर विरोधी बातें नहीं हैं।
यदि करवा चौथ उन्हीं यह
सिखाता है कि संबंधों में
एक-दूसरे के प्रति संवेदनशील
होना, कठिन समय में साथ खड़े
रहना और एक-दूसरे के सपनों
का सम्मान करना आवश्यक है,
तो यह पर्व आज भी प्रासंगिक
है। यदि पत्नी अपने जीवनसाथी
के लिए मंगलकामना करती है,
तो पति भी उसके सपनों,
स्वतंत्रता और आत्मसम्मान के
प्रति उतना ही संवेदनशील हो।
एक समय था, जब स्त्री की
सामाजिक पहचान मुख्यतः
पत्नी, बहु और माँ की भूमिकाओं
से निर्धारित होती थी। आज

वह स्त्री शिक्षित है, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर है, निर्णय

लेने में सक्षम है और परिवार के साथ-साथ समाज तथा राष्ट्र के निर्माण में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है।

इस परिवर्तन से
व्रत-त्योहारों के प्रति उसकी
दृष्टि में भी व्यापक बदलाव
आए हैं।

आज अनक माहिलाए करवा चौथा का प्रत अपनी आस्था ओर प्रसन्नता से रखती हैं। कुछ महिलाएँ इसे अपनी पारिवारिक परंपरा मानती हैं, कुछ इसे प्रेम की अभिव्यक्ति समझती हैं, जबकि कुछ महिलाएँ स्वास्थ्य, व्यक्तिगत पहलू पर बल अथवा अन्य कारणों से प्रत नहीं रखतीं, लेकिन इस प्रत की सार्थकता तब और बढ़ जाती है, जब छलनी से दिखाई देने वाले चंद्रमा की चाँदनी जीवन के वास्तविक व्यवहार में भी उतरती हैं। जब रीश्तों में सम्मान हो, संवाद हो, बराबरी हो और एक-दूसरे के सुख-दुःख के प्रति सच्ची संवेदना हो छ तो समय बदलता है, समाज बदलता है और परंपराओं के अर्थ भी बदलते हैं। ओ परंपरा समय के प्रश्नों से संवाद करती है, वह केवल अतीत की धरोहर बनकर नहीं रहती, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता भी बन जाती है। इसलिए कबवा चौथा का वास्तविक महत्त्व इस प्रश्न में नहीं छिपा कि प्रत किसने रखा और किसने नहीं, बल्कि इस भावना में है कि क्या हम एक-दूसरे के जीवन को अधिक सुरक्षित, सुखद, सम्मानपूर्ण और प्रेमपूर्ण बनाने का प्रयास कर रहे हैं?

संगाता सुमन
प्रयागराज, उप्र



लोकप्रिय रियलिटी शो शबिग बॉस 20१ के घर में इन दिनों भावनाओं का ज्वार और हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिल रहा है। शो के अंदर कंटेस्टेंट लव गिल और स्काउटओपी (बवनजल्) के बीच की गहरी दोस्ती अब एक बड़े विवाद और कड़वाहट में बदल चुकी है। रविवार के श्वीकेंड का वार१ एपिसोड में जाने-माने फिल्ममेकर और होस्ट रोहित शेट्टी के सामने स्काउटओपी की गर्लफ्रेंड काशवी की एंट्री ने घर के समीकरणों को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया है। इस घटना के बाद से घर का माहौल तनावपूर्ण हो गया है, जहां एक तरफ स्काउटओपी ने लव गिल से दूरी बनाने का फैसला कर लिया है, वहीं दूसरी तरफ लव गिल मानसिक रूप से पूरी तरह टूट चुकी हैं और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। घर के अंदर स्काउटओपी और लव के बर्ताव पर काशवी के सवाल उठाने के बाद, गेमर (स्काउटओपी) ने लव से पूरी तरह दूरी बनाने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि उनके लिए काशवी से ज्यादा कोई और अहम नहीं है। यंग डीएसए ने भी स्काउटओपी से अकेले में बात की और उन्हें समझाया कि लव के साथ उनके रिश्ते में कहीं गलती हो रही है। उन्होंने स्काउटओपी को याद दिलाया कि जब वह लव के साथ हदें पार कर रहे थे, तब लव ने ही उन्हें एक दायरा (बाउंड्री) तय करने के लिए कहा

‘डस्ट टू स्टारडस्ट’ के गाने ‘कर मेहनत’ से जुड़ी नई शुरुआत, पहली बार गीतकार बने गणेश आचार्य

कोरियोग्राफर और फिल्ममेकर गणेश आचार्य अपनी आने वाली फिल्म ‘गणेश डस्ट टू स्टारडस्ट’ को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का ट्रेलर पेश करने के बाद उन्होंने दर्शकों के सामने एक नया तोहफा रखा है। गणेश आचार्य ने अब गीतकार के रूप में भी अपनी शुरुआत की है। उन्होंने फिल्म के प्रेरणादायक गाने ‘कर मेहनत’ के बोल लिखे हैं, जिसे मशहूर गायक सोनू निगम ने अपनी आवाज दी है। ‘कर मेहनत’ उन लोगों को प्रेरित करने की कोशिश करता है, जो जिंदगी में अपने सपनों को पूरा करने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। गाने का संदेश है कि मुश्किलें कितनी भी आएँ, इंसान को अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए। मेहनत, धैर्य और लगन पर आधारित इसके बोल रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली चुनौतियों और उनसे लड़ने के जज्बे को सामने लाते हैं। गणेश आचार्य ने अब तक कोरियोग्राफी और अभिनय के जरिए अपनी पहचान बनाई है। इस बार उन्होंने अपने विचारों को शब्दों में पिरोया है। वहीं, सोनू निगम की आवाज गाने के संदेश को प्रभावशाली बनाने का काम करती है। गाने के बोल लिखने के अनुभव पर गणेश आचार्य ने कहा कि ‘कर मेहनत’ उनके लिए खास है, क्योंकि पहली बार उन्होंने अपनी ही फिल्म के किसी गाने के बोल लिखे हैं। उनका मानना है कि जिंदगी में सफलता पाने के लिए मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। हर इंसान के सपने होते हैं और उन्हें पूरा करने के रास्ते में चुनौतियां



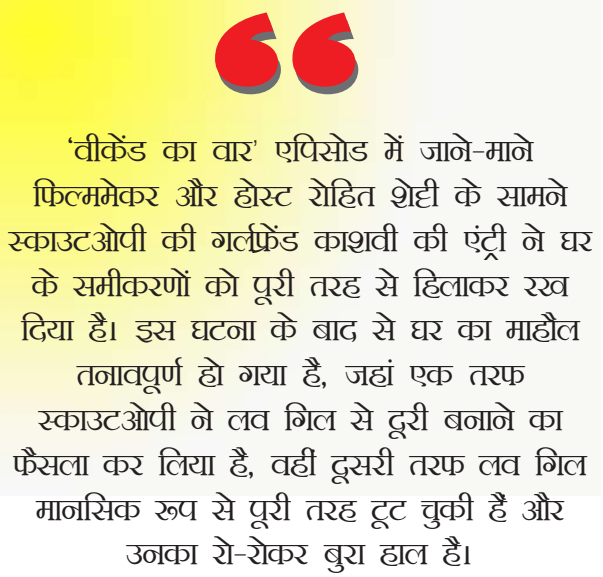
फिल्ममेकर नितेश तिवारी की फिल्म ‘रामायणम’ के संगीत को तैयार करने में ए.आर. रहमान और हॉलीवुड के मशहूर कंपोजर हैंस जिमर जुटे हुए हैं। इस प्रोजेक्ट को लेकर रहमान ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि इतने बड़े स्तर की फिल्म के लिए संगीत तैयार करना उनके लिए भी नया अनुभव रहा है। करीब साढ़े तीन साल से इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे रहमान के मुताबिक, फिल्म का म्यूजिक तैयार करने के दौरान कई चुनौतियां सामने आईं, लेकिन टीम ने हर बार नए तरीके से काम करने की कोशिश की। नमित मल्होत्रा के प्रोडक्शन में बन रही इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साईं पल्लवी माता सीता और यश राणण की भूमिका में नजर आएंगे। रहमान ने इस फिल्म को अपने करियर के सबसे रोमांचक

था। तो अब वह खुद इस बात पर अमल क्यों नहीं कर रहे हैं? लव बार-बार टूट जाती थीं और रोने लगती थीं। रोते-रोते उनकी साँस फूलने लगी, जिसके बाद उन्हें मेडिकल रूम ले जाना पड़ा। अगले दिन, लव ने स्काउटओपी से उनके बीच की बातचीत और उसके संभावित नतीजों को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की चिंता है कि शो से बाहर जाने के बाद लोग उनके बारे में क्या कहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनके रिश्ते से जुड़े फुटेज और चर्चाएं सोशल मीडिया पर हमेशा मौजूद रहेंगी। उन्होंने अपनी छवि खराब करने और अपना करियर बर्बाद करने के लिए स्काउटओपी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, मैं अब किसी को मुँह दिखाने लायक नहीं रही, तुमने मेरे चरित्र की धज्जियाँ उड़ा दी हैं। बाहर जाकर लोग मेरे बारे में क्या कहेंगे? जो कुछ भी हुआ है, वह सोशल मीडिया से कभी नहीं मिटेगा। तुमने मेरा पूरा करियर बर्बाद कर दिया है। लव गिल, स्काउटओपी और काशवी का विवाद क्या है? लव का यह भावुक बर्ताव, स्काउटओपी के साथ उनके रिश्ते को लेकर चल रहे विवाद में एक नया मोड़ ले आया है। काशवी द्वारा उनकी नज़दीकियों पर सवाल उठाने और स्काउटओपी के लव से दूरी बनाने के फैसले के बाद, अब बिग बॉस 20 के घर



भी आती हैं। गणेश के मुताबिक, यह गाना उन सभी लोगों के लिए है, जो कुछ हासिल करने के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि श्रोता इसके संदेश से जुड़ाव महसूस करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनके लिखे बोलों को सोनू निगम की आवाज मिलना उनके लिए इस गाने को और खास बनाता है। सोनू निगम ने भी ‘कर मेहनत’ को एक सार्थक संदेश देने वाला गीत बताया। उनके अनुसार, मेहनत, धैर्य और लगन ऐसी भावनाएं हैं, जिनसे हर व्यक्ति जुड़ सकता है। उन्हें गाने के बोलों की सच्चाई और उनका सरल अंदाज पसंद आया। सोनू का मानना है कि इसकी सीधी और प्रभावशाली बात लोगों तक पहुंचेगी और उन्हें अपने सपनों पर भरोसा बनाए रखने की प्रेरणा देगी। वी2एस प्रोडक्शन एंड एंटरटेनमेंट की प्रस्तुति ‘गणेश डस्ट टू स्टारडस्ट’ की निर्माता सौंदर्या आचार्य हैं।

लव गिल का फूटा गुस्सा और छलके आंसू, मेडिकल रूम तक पहुंची बात, स्काउटओपी ने बनाई दूरी, तो मच गया घमासान



में और ज्यादा तनाव पैदा होने की उम्मीद है। काश्वी ने लव से स्काउट के साथ उसकी शारीरिक नज़दीकियों के बारे में सवाल किया और पूछा कि क्या वह अपने सगे भाइयों के साथ भी ऐसा ही बर्ताव करती है। उसने यह भी कहा कि स्काउट के बर्ताव से उसे घिनॡ आती है और उसने स्काउट से कहा कि वह लव से दूरी बना ले। काश्वी ने आगे दावा किया कि घर के बाहर स्काउट के प्रशंसक लव को प्नापसंदॡ करते हैं। उसने लव पर यह आरोप भी लगाया कि वह गेम के लिए स्काउट को भावनात्मक रूप से मैनिपुलेट (गुमराह) कर रही है। बाद में, उसने कुछ ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने के लिए माफी मांगी, जिनसे लोगों की भावनाएं आहत हुई थीं।



फिल्म की कहानी और निर्देशन गणेश आचार्य ने संभाला है, जबकि पटकथा और संवाद दिगांगना सूर्यवंशी और गणेश आचार्य ने लिखे हैं। फिल्म का संगीत और बैकग्राउंड स्कोर जुनैद कुमार ने तैयार किया है। इसके गीत समीर अंजान और गणेश आचार्य ने लिखे हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी अजय पांडे ने की है और एडिटिंग राकेश राम ने संभाली है। प्रोडक्शन डिजाइन की जिम्मेदारी रेड अमाइस के अमरीश यामानप्पा पटंगे और दया वन्नियार ने निभाई है। फिल्म की कोरियोग्राफी गणेश आचार्य और उनकी टीम ने की है। फिल्म का संगीत जी म्यूजिक पर उपलब्ध होगा। गणेश डस्ट टू स्टारडस्ट’ 11 दिसंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के गाने ‘कर मेहनत’ के जरिए गणेश आचार्य अपने रचनात्मक सफर का एक नया पहलू दर्शकों के सामने ला रहे हैं।

‘रामायणम’ के म्यूजिक पर ए.आर. रहमान ने खोले राज, हैंस जिमर के साथ काम करना रहा खास अनुभव

कई साल पुरानी है, लेकिन ‘रामायणम’ के लिए साथ काम करना उनके लिए एक अलग अनुभव रहा। रहमान ने बताया कि जिमर के स्टूडियो में काम करते समय माहौल काफी दोस्ताना और उत्साह से भरा हुआ था। इस प्रोजेक्ट के सिलसिले में दोनों ने लंदन, लॉस एंजिल्स और अबू धाबी में भी काम किया। संगीत तैयार करने की प्रक्रिया आसान नहीं थी। कई बार एक ही धुन के 13 अलग-अलग वर्जन तैयार करने पड़े और फिर टीम को शुरुआती वर्जन पर लौटना पड़ा। फिल्म के अलग-अलग भाषाई संस्करणों और बदलते विजुअल इफेक्ट्स के मुताबिक संगीत में बदलाव करना भी एक बड़ी चुनौती रहा। रहमान ने बताया कि बीते तीन महीनों में काम का दबाव काफी बढ़ गया था। इस दौरान टीम को मुंबई, चेन्नई, लंदन, लॉस एंजिल्स और बुडापेस्ट के बीच लगातार यात्रा करनी पड़ी। कई बार उन्हें सिर्फ तीन से चार घंटे की नींद मिल पाती थी। इसके बावजूद रहमान इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर गर्व महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति को इतने बड़े स्तर पर दुनिया तक पहुंचाने का मौका उनके लिए खास है। इसी बीच वह 1 नवंबर को मुंबई और 21 नवंबर को नई दिल्ली में अपने ‘वंडरमेंट टूर’ के तहत परफॉर्म करने की तैयारी भी कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि दर्शकों को ‘रामायणम’ के संगीत से क्या उम्मीद रखनी चाहिए, तो उन्होंने इसे ‘एपिक’ यानी बेहद भव्य और शानदार बताया।



‘पहला प्यार दूसरी बार’ की टीम थिएटर में दर्शकों का रिएक्शन देखने जयपुर पहुँची

हिंदी सिनेमा हाल के समय में एक खूबसूरत दौर से गुजर रहा है, क्योंकि इंडस्ट्री में नए चेहरों की एक लहर आ रही है, जिसने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। इस सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए लव फिल्म ने अपनी रोमांटिक ड्रामा पहला प्यार दूसरी बार को रिलीज कर दिया है। इस फिल्म को डेब्यूटेंट डायरेक्टर अनुज सैनी ने डायरेक्ट किया है, जबकि लव रंजन द्वारा इसे को-प्रोड्यूस किया गया है। बता दें कि इस फिल्म के साथ मेकर्स ने अलीशा चोपड़ा, स्पर्श वालिया, साक्षी वैद्य, कुणाल वैद्य, सरगुन कौर लूथरा और तुषार छिब्बर को लॉन्च किया है। ऐसे में, अब फिल्म की रिलीज के बाद फिल्म की नई और टैलेंटेड कास्ट जयपुर का दौरा किया है। फिल्म ‘पहला प्यार दूसरी बार’ की टीम ने जयपुर का दौरा किया, जहां उन्होंने अपने फैंस के साथ खास वक्त बिताया और उनके लिए फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी। इस मौके पर दर्शकों को फिल्म देखने का मौका मिला और टीम ने फैंस के साथ जुड़कर इस खास पल को और भी यादगार बना दिया। अलीशा चोपड़ा, स्पर्श वालिया, साक्षी वैद्य, कुणाल वैद्य, सरगुन कौर लूथरा और तुषार छिब्बर की मौजूदगी ने सभी को उत्साहित किया। देशभर में 23 अक्टूबर 2026 को थिएटर्स में रिलीज हो चुकी यह फिल्म, खुद में मॉडर्न लव, फ्रेंडशिप और रिलेशनशिप में होने वाली मजेदार उथल-पुथल को समेटे हुए है। हाल ही में रिलीज हुए फिल्म के मजेदार ट्रेलर को दर्शकों ने खूब सराहा है। ऐसे में दर्शक ट्रेलर में नजर आने वाली एनर्जी, तीखी बातचीत, ऊर्जा, और कुछ ऐसे पलों की भी तारीफ कर रहे हैं जिन्हें देखते ही उन्हें कनेक्टेड महसूस हो रहा है। लव रंजन और अंकुर गर्ग द्वारा को-प्रोड्यूस, पहला प्यार दूसरी बार यूथ, प्यार और साथ रहने के बारे में एक नए और दिल को छू लेने वाली कहानी दिखा रही है। यह फिल्म सिनेमाघरों 23 अक्टूबर, 2026 को देशभर में रिलीज हो चुकी है।



रिलीज से पहले ही रामायण ने मचाया धमाल, एडवांस बुकिंग में ताबड़तोड़ बिक्री

भारतीय सिनेमा के ‘एनिमल’ यानी रणबीर कपूर और ‘रॉकी भाई’ यानी यश की आने वाली फिल्म ‘रामायण’ इन दिनों चर्चा में है। बड़े बजट में बनी यह फिल्म 2026 की बड़ी फिल्मों में शामिल है और इसकी एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। फिल्म में रणबीर कपूर और यश के साथ साउथ की अभिनेत्री साईं पल्लवी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। अंदरूनी रिपोर्ट्स के मुताबिक, 26 अक्टूबर तक ‘रामायण’ के 2.25 लाख टिकट बिक चुके हैं। फिल्म को लेकर देश ही नहीं, विदेशों में भी काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। यही वजह है कि एडवांस बुकिंग में टिकट तेजी से बिक रहे हैं। एडवांस बुकिंग से 20 करोड़ रुपये कमाने का दावा ट्रेड से जुड़े लोगों के मुताबिक, रणबीर कपूर, यश और साईं पल्लवी की ‘रामायण’ ने दुनियाभर में 2.25 लाख टिकट बेचकर अब तक करीब 20 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। सामने आई जानकारी के मुताबिक, इस कमाई में प्रीपेड प्रीव्यू से हुई कमाई भी शामिल है। फिल्म को लेकर देश और विदेश में जिस तरह का उत्साह दिख रहा है, उसे देखते हुए दर्शक रिलीज से पहले ही अपने टिकट बुक कर रहे हैं। दुनिया को भारत की कहानी दिखाएगी ‘रामायण’ फिल्म के मेकर्स का कहना है कि ‘रामायण’ के जरिए दुनिया को भारत की संस्कृति और हमारी कहानियों से रुबरू कराया जाएगा। उनका मानना है कि भारतीय कहानियां किसी भी बड़े अंतरराष्ट्रीय सिनेमा से कम नहीं हैं।

मेकर्स के मुताबिक, जहां हॉलीवुड बड़े पर्दे पर काल्पनिक कहानियों को बड़े स्तर पर पेश करता है, वहीं भारतीय फिल्मकार अपनी पुरानी और ऐतिहासिक कहानियों को बड़े स्तर पर दुनिया के सामने ला रहे हैं।

फिल्म में शानदार वीएफएक्स देखने को मिलेगा। इसके लिए मेकर्स ने हॉलीवुड की टीम की मदद ली है। अब देश ही नहीं, दुनिया भर के दर्शकों को ‘रामायण’ का इंतजार है। फिल्म इस साल दिवाली के मौके पर रिलीज होने वाली है।



फूड लिस्ट में शामिल करें ये स्वादिष्ट महाराष्ट्रीयन डिशेज, डिनर के लिए रहेंगे बेस्ट

महाराष्ट्र न सिर्फ अपनी सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक धरोहर के लिए फेमस है। बल्कि यह अपने स्वादिष्ट और अनूठे खानपान के लिए भी जाना जाता है। महाराष्ट्र की रसोई में आपको पारंपरिक मसालों और स्थानीय सामग्री का मिश्रण मिलेगा। जो हर डिश के स्वाद को खास बना देता है। वहीं महाराष्ट्र का खाना स्वाद, सादगी और पोषण तत्वों से भरा होता है। महाराष्ट्र का मसालेदार मिसल पाव हो या नरम-नरम पूरन पोली, यहां की हर डिश हर किसी के टेस्ट से तालमेल जरूर खाती है। हालांकि महाराष्ट्र की डिशेज का लुत्फ उठाने के लिए आपको महाराष्ट्र जाने की जरूरत नहीं है। बल्कि आप घर बैठे महाराष्ट्र के व्यंजन का लुत्फ उठा सकते हैं। बता दें कि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ कुछ ऐसे वेजीटेरियन रेसिपीज शेयर करने जा रहे हैं, जिनको आप घर में बना सकती हैं। यह डिशेज सिर्फ महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि हर किसी को पसंद आती है। आप महाराष्ट्र के इन स्वादिष्ट ग्रीन करी रेसिपीज को अपनी फूड लिस्ट में शामिल कर सकती हैं।

हरे चने की करी की सामग्री
हरे चने— 1 कप (भीगे हुए)
पालक— 1 कप (कटा हुआ)
नारियल— 2 बड़े चम्मच (कट्टूकस किया हुआ)
जीरा— 1 छोटा चम्मच
हरी मिर्च— 1 (कटी हुई)
अदरक—लहसुन पेस्ट— 1 छोटा चम्मच
धनिया पाउडर— 1 छोटा चम्मच
हल्दी— आधा छोटा चम्मच
तेल— 1 बड़ा चम्मच
नमक— स्वादानुसार
विधि

सबसे पहले रातभर के लिए हरा चना भिगो दें और फिर इसे उबाल लें।

अब एक कड़ाही में तेल गर्म करें और फिर जीरा और हरी मिर्च डालकर तड़का लगाएं।

इसके बाद इसमें लहसुन और अदरक का पेस्ट डालकर हल्का सा भून लें।

फिर कड़ाही में उबले हुए हरे चने और पालक डालें।

अब इसमें धनिया पाउडर, हल्दी और नमक डालकर 5—7 मिनट के लिए धीमा आंच पर पकाएं।

लास्ट में कट्टूकस किया हुआ नारियल डालकर गरमा-गरम सर्व करें।

पालक और मटर की हरी करी सामग्री
पालक— 2 कप (कटा हुआ)
मटर— 1 कप
घी— 1 बड़ा चम्मच
जीरा— 1 छोटा चम्मच
अदरक—लहसुन पेस्ट— 1 छोटा चम्मच
हरी मिर्च— 2
नारियल का दूध— आधा कप
नमक स्वादानुसार
गरम मसाला— आधा छोटा चम्मच
ऐसे बनाएं
सबसे पहले पैन में घी गर्म कर लें।
फिर इसमें जीरा, अदरक, लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर भूनें।
अब कड़ाही में मटर और पालक डालकर हल्का पकने दें।
इसके बाद नारियल दूध डालकर करीब 10 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं।
फिर ऊपर से गरम मसाला डालकर इसको रोटी के साथ सर्व करें।
धनिया पत्ते की करी की सामग्री
ताजे धनिया पत्ते— 2 कप
हरी मिर्च— 2
अदरक का टुकड़ा— 1 इंच
मूंगफली— 1 बड़ा चम्मच (भुनी हुई)
जीरा— 1 छोटा चम्मच
तेल— 1 बड़ा चम्मच
नारियल— आधा कप (कट्टूकस किया हुआ)
दही— आधा कप
नमक— स्वादानुसार
ऐसे बनाएं

धनिया पत्ते की करी बनाने के लिए सबसे पहले धनिया पत्ते, हरी मिर्च, अदरक, और मूंगफली को मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें। अब कड़ाही में तेल गर्म करके उसमें जीरा डालें और फिर धनिया का पेस्ट डालें। फिर कड़ाही में कट्टूकस किया हुआ नारियल और दही डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इसको 5 से 7 मिनट तक अच्छे से धीमी आंच पर पकने दें और इसमें नमक डाल दें। इस तरह से धनिया पत्ते की करी बनकर तैयार हो जाएगी, इसको आप रोटी या भाकरी के साथ परोसें।
कोकम और नारियल की हरी करी की सामग्री
नारियल का दूध— 1 कप
कोकम— 1 बड़ा चम्मच
जीरा— 1 छोटा चम्मच
हरी मिर्च— 2 (कटी हुई)
अदरक का टुकड़ा— 1 इंच
घी— 1 बड़ा चम्मच
हल्दी— आधा छोटा चम्मच
नमक— स्वादानुसार
ऐसे बनाएं

कोकम और नारियल की हरी करी बनाने के लिए सबसे पहले सभी सामग्री को तैयार कर लें और कोकम को थोड़े पानी में भिगो दें। अब कड़ाही में घी गर्म कर उसमें अदरक, हरी मिर्च और जीरा डालकर भूनें। इसके बाद कड़ाही में नारियल का दूध और भीगा हुआ कोकम डालकर अच्छे से मिलाएं। फिर नमक और हल्दी डालकर करी को 5—7 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। अब इसको आप रोटी या चावल के साथ खा सकते हैं।

विविध



तुलसी का भारतीय घर में धार्मिक महत्व तो है ही लेकिन क्या आपको पता है कि ये एक औषधि भी है। आज भी हमारी दादी मां-नानी मां भी सर्दी-खांसी या कोई भी वायरल होने पर तुलसी का काढ़ा आदि पीने की सलाह देती हैं। बता दें तुलसी की पत्तियों में एंटी-बैक्टीरियल, एंटा-सेप्टिक और एंटीऑक्सीडेंटस गुण पाए जाते हैं। आयुर्वेद की मानें तो ये कई बीमारियों का इलाज है। तुलसी के पत्तों को अगर मुंह में रखकर सोया जाए तो सेहत को कई सारे लाभ मिलते हैं। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में...

सर्दी— जुकाम से मिलती है राहत
तुलसी की पत्तियों में एंटी- बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो वायरस का जड़ से खत्म कर देते हैं। रातभर इन्हें मुंह में रखकर सोने से सर्दी- जुकाम से राहत मिलती है।
पाचन तंत्र होता है बेहतर
अगर आपको गैस और एसिडिटी की दिक्कत रहती है,

कान का छेद हो गया है बड़ा ? तो बिना ऑपरेशन, बिना टांके इस तरह ईयर होल साइज को करें छोटा

कई बार रोजाना झुमके या बालियां पहनने से कुछ महिलाओं के कान के छेद बड़े होने लगते हैं। अगर आपका भी कान का छेद बड़ा हो गया है और आप सर्जरी के बिना इसे छोटा करना चाहते हैं, तो कुछ घरेलू उपाय और सावध ानियां अपनाकर इसे सुधार सकते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि गंभीर मामलों में सर्जरी एकमात्र विकल्प हो सकता है, लेकिन हल्के मामलों में इन सरल टिप्स से मदद मिल सकती है।

हल्के और छोटे ईयररिंग्स पहनें
बड़े और भारी झुमके या बालियां पहनने से कान का छेद और बढ़ सकता है। इसलिए, हल्के और छोटे ईयररिंग्स पहनें, जो कान पर दबाव न डालें और छेद को और बढ़ने से रोकें।

विटामिन ई ऑयल का इस्तेमाल
विटामिन ई ऑयल का उपयोग त्वचा की हीलिंग के लिए जाना जाता है। कान के छेद में नियमित रूप से विटामिन ई ऑयल लगाएं, जिससे त्वचा की इलास्टिसिटी बढ़ती है और छेद धीरे-धीरे सिकुड़ सकता है। रोजाना सोने से पहले कान के छेद पर हल्के हाथों से विटामिन ई ऑयल की मालिश करें।

कान के छेद को ढकने वाला पैच
बाजार में विशेष ईयरलॉब पैच उपलब्ध होते हैं जो कान के छेद को कवर करते हैं। ये पैच कान के छेद को सपोर्ट

पुराने बर्तन से लेकर जले हुए बर्तनों को चमकाएं, फॉलो करें ये टिप्स

यदि आपके घर में पुरानी वस्तुओं या पुराने बर्तन पड़े है तो आप इन टिप्स के जरिए चमका सकते हैं। पुराने, दागदार, जले हुए और जिद्दी बर्तनों को संभालते समय एक बड़ी



तो रोजाना मुंह में तुलसी के 2 पत्ते रखकर सोएं। इससे पाचन तंत्र स्ट्रांग बनेगा।

तनाव से मुक्ति
तुलसी की पत्तियों में भरपूर मात्रा में अडैप्टोजेन होता है, जो स्ट्रेस लेवल को कम करने में मददगार है। तुलसी की पत्तियां नर्वस सिस्टम को रिलैक्स करती हैं। इसे खाकर सोने से मन शांत होता और बेहद पॉजिटिव महसूस होता है

सिर दर्द होता है गायब
अगर आपको लगातार सिर

देते हैं और झुमकों के वजन को कम करने में मदद करते हैं। इसे पहनकर आप हल्के ईयररिंग्स भी पहन सकती हैं।

नीम और हल्दी का मिश्रण
नीम और हल्दी का मिश्रण एक प्राकृतिक एंटीसेप्टिक है जो त्वचा की मरम्मत और हीलिंग में मदद करता है। नीम की पत्तियों को पीसकर उसमें हल्दी मिलाकर कान के छेद पर लगाएं। यह छेद की हीलिंग प्रक्रिया को तेज कर सकता है।

एलोवेरा जेल
एलोवेरा जेल एक नेचुरल हीलर है जो त्वचा की मरम्मत करने में मदद करता है। एलोवेरा जेल को कान के छेद पर लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें। यह छेद की त्वचा को मजबूत बनाता है और उसे सिकुड़ने में मदद करता है।
ईयर स्टिचिंग किट (डीय ईयर रिपेयर किट)



चुनौती सामने आती है। ये सख्त दाग घंटों मेहनत की मांग करते हैं, जिससे अक्सर व्यक्ति असंतुष्ट और चिड़चिड़ा हो जाता है। घंटों को काम को मिनटों में बदलने के लिए यहां कुछ आसान और प्रभावी सफाई के हैक बताने वाले हैं।

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करें

जब हम सभी खाना बनाते हैं तो अक्सर बर्तन काले पड़ जाते हैं या फिर जल जाते हैं या चिपचिपे हो जाते हैं, तो आप बेकिंग सोडा के जरिए चमक वापस ला सकते हैं। सबसे पहले बर्तन को गर्म पानी से धो लें। इसके बाद प्रभावित जगह पर बेकिंग सोडा छिड़कें। 5 से 6 मिनट तक बर्तनों रखें रहने दें। इसके बाद आप बर्तन को स्पंज की मदद से पोंछकर साफ कर सकते हैं।

लिविवड क्लोरीन का इस्तेमाल करें

सिरेमिक, कांच और प्लास्टिक के बर्तनों को प्रभावी ढंग से साफ करने के लिए यह तरीक सबसे बढ़िया है। बर्तनों को 10 मिनट तक पानी में उबालें, चमकाने के लिए उन पर सावधानी से लिविवड क्लोरीन डालें और कुछ मिनटों के बाद उन्हें पानी से धो लें।

सिरके का प्रयोग

घर में रखें हुए पीतल के बर्तन गंदे होने लगते हैं। पीतल के बर्तनों को चमकाने के लिए सबसे बेहतर होता सिरका। प्याज के रस में सिरका मिलाकर दाग लगे बर्तनों पर लगाएं। चमचमाती चमक के लिए आप सीधा सिरका भी लगा सकते हैं और ब्रश से रगड़ सकते हैं।

कॉफी पाउडर का इस्तेमाल करना

प्लास्टिक के कंटेनरों या अन्य बर्तनों पर जमी जिद्दी गंदगी के लिए कॉफी एक प्रभावी तरीका है। दाग वाली जगह पर नमक, कॉफी और बर्फ का मिश्रण लगाएं। कॉफी की कठोर बनावट जिद्दी गंदगी को हटाने में मदद करती है। इन टिप्स के जरिए पीतल, स्टील और तांबे के बर्तनों को साफ करने, काले दाग, ग्रीस और अन्य गंदगी को तुरंत हटाने के लिए भी अत्यधिक प्रभावी हैं।

रात भर मुंह में रखकर सोएं तुलसी का पत्ता, मिलेंगे गजब के हेल्थ बेनीफिट्स

में दर्द रहता है और इस वजह से नींद भी नहीं आती है तो अपने मुंह में पत्ते रखकर सोएं। इसमें मौजूद गुण सिर के दर्द को कम करते हैं।

ब्लड शुगर रहता है कंट्रोल में
जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है उन्हें तुलसी का सेवन जरूर करना चाहिए। इससे शरीर में इंसुलिन हार्मोन के उत्पादन बढ़ता है और ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

इम्यूनिटी होता है बूस्ट

तुलसी की पत्तियों में मौजूद विटामिन सी एक पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट है। रोजाना इसे मुंह में रखकर सोने से शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।



कुछ बाजारों में डीय ईयर रिपेयर किट उपलब्ध होते हैं, जिनमें छोटे-छोटे टेप्स या प्लास्टर्स होते हैं जो कान के छेद को धीरे-धीरे सिकुड़ने में मदद करते हैं। इन्हें रोजाना उपयोग करने से छेद धीरे-धीरे छोटा हो सकता है।

झुमके या बालियां कम पहनें
अगर कान का छेद बढ चुका है, तो कुछ समय के लिए झुमके या बालियां पहनना कम कर दें। इससे कान के छेद को खुद से ठीक होने का समय मिल सकता है। जितना हो सके कान को रिलैक्स दें और ईयररिंग्स पहनने से बचें।
पौष्टिक आहार लें
हेल्दी स्किन के लिए पोषण भी बहुत जरूरी होता है। ऐसे आहार लें जिनमें विटामिन सी, विटामिन ई, और प्रोटीन की मात्रा अधिक हो, जो त्वचा की इलास्टिसिटी बढ़ाने और हीलिंग में मदद करेंगे।



संक्षिप्त



E20 Fuel विरोध पैसे देकर चलाया गया अभियान या, Ethanol पर बोले नितिन गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने को लेकर विरोध 'पैसे देकर चलाया गया अभियान' था। सरकार के केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में संशोधन अधिसूचित किए जाने के एक दिन बाद उन्होंने यह टिप्पणी की है। इन संशोधनों के तहत ई100 (लगभग शुद्ध एथेनॉल) तक पर चलने वाले 'फ्लेक्स-फ्यूल' वाहनों को अनुमति दी गई है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि जीवाश्म ईंधन का आयात कम करके भारत बहुमूल्य विदेशी मुद्रा बचा सकता है। उन्होंने कहा, "तीन महीने पहले ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) ईंधन के खिलाफ काफी शोर मचाया गया था। अब ई20 ईंधन को लेकर नाराजगी खत्म हो गई है... यह पैसे देकर चलाया गया अभियान था।" मंत्री ने साथ ही कहा कि राजमार्गों के कुछ हिस्सों की खराब स्थिति को लेकर सोशल मीडिया पर मिली शिकायतों को ध्यान में रखते हुए। उन्होंने हाल ही में 700–800 परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा, "मैं राजमार्गों की गुणवत्ता से समझौता नहीं करने वाला हूं।" गडकरी ने भरोसा दिलाया कि अगले दो वर्षों में राजमार्गों का इस्तेमाल करने वालों को किसी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

हरदीप सिंह पुरी ने कहा, भारत ने 41

देशों तक बढ़ाया एलपीजी आयात

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत ने पश्चिम एशिया संकट के दौरान एलपीजी का घरेलू उत्पादन बढ़ाने के साथ आयात के स्रोतों की संख्या 27 से बढ़ाकर 41 की। उन्होंने यह भी कहा कि देश की तेल शोधन क्षमता 2030 तक बढ़कर 30 करोड़ टन सालाना होने की उम्मीद है। पुरी ने यहां आयोजित 29वें ऊर्जा प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सम्मेलन के दौरान अलग से संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दैनिक घरेलू एलपीजी उत्पादन 34,000 टन से बढ़कर 55,000 टन हो गया। इसके साथ ही अमेरिका और अल्जीरिया जैसे देशों से आयात बढ़ाकर खाड़ी क्षेत्र से आपूर्ति में आए गतिरोध की भी भरपाई की गई। उन्होंने कहा कि संकट की प्रकृति का पहले से अनुमान लगाना हमेशा संभव नहीं होता, लेकिन उससे निपटने की तैयारी पहले से की जा सकती है। भारत ने इसी दृष्टिकोण के तहत आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोत विकसित किए, जिससे संकट के दौरान देश में रसोई गैस की व्यापक अनुपलब्धता की स्थिति नहीं आई। पुरी ने कहा कि एलपीजी की कमी की अफवाहों के कारण सिलेंडर बुकिंग में असामान्य वृद्धि हुई। सामान्य तौर पर प्रतिदिन 51–52 लाख सिलेंडर की बुकिंग होती थी, जो बढ़कर करीब 90 लाख तक पहुंच गई थी। उन्होंने कहा, इतनी बड़ी वृद्धि वास्तविक खपत बढ़ने का नतीजा नहीं हो सकती है। सरकार ने जमाखोरी और सिलेंडरों की अवैध आपूर्ति रोकने के लिए कदम उठाए। राज्यों के अधिकारियों ने छापेमारी की और सिलेंडर जब्त किए, जिसके बाद बुकिंग में कमी आई। पुरी ने कहा कि भारत की तेल रिफाइनिंग क्षमता फिलहाल करीब 29 करोड़ टन सालाना है, जिसके 2030 तक बढ़कर 30 करोड़ टन सालाना हो जाने की उम्मीद है। मौजूदा रिफाइनरियों की क्षमता बढ़ाने और नई परियोजनाओं से इस विस्तार में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, "रिफाइनिंग क्षमता में बड़े पैमाने पर वृद्धि से हम न केवल अपनी जरूरतों के लिए, बल्कि दुनिया के लिए भी तेल शोधन करने की स्थिति में होंगे।" पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि जहां यूरोप और पश्चिमी देशों के कुछ हिस्सों में रिफाइनिंग क्षमता घट रही है, वहीं भारत अपनी क्षमता बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि यूरोप में हर साल कम–से–कम 2.5 लाख बैरल प्रतिदिन की रिफाइनिंग क्षमता घट रही है। पुरी ने कहा कि भारत में रिफाइनरियां अपनी क्षमता बढ़ा रही हैं। कुछ तीन लाख टन सालाना क्षमता वाली रिफाइनरियों की क्षमता छह लाख टन और छह लाख टन क्षमता वाली रिफाइनरियों की क्षमता नौ लाख टन तक बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि बढ़ती उत्पादन क्षमता से भारत घरेलू बाजार और विदेशों, दोनों की जरूरतें पूरी करने की स्थिति में होगा।

टाटा मोटर्स और अमेजन की साझेदारी, लॉजिस्टिक्स के लिए तैनात होंगे 3000 इलेक्ट्रिक ट्रक

टाटा मोटर्स और अमेजन ने ई–कॉमर्स लॉजिस्टिक्स के लिए 3,000 इलेक्ट्रिक ट्रक तैनात करने को लेकर साझेदारी की है। दोनों कंपनियों ने मंगलवार को संयुक्त घोषणा में यह जानकारी दी। भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने ट्रकों के शुरुआती बेड़े को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुमारस्वामी ने कहा,



"मैं भारत में अमेजन के परिवहन नेटवर्क में 3,000 इलेक्ट्रिक ट्रक तैनात करने के लिए इस महत्वपूर्ण सहयोग को लेकर टाटा मोटर्स और अमेजन को बधाई देता हूं।" मंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों और दोपहिया वाहनों के क्षेत्र में उत्साहजनक प्रगति हुई है, लेकिन वाणिज्यिक परिवहन का विद्युतीकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, "जैसे–जैसे भारत की अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा, माल ढुलाई की मांग भी बढ़ती रहेगी। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की वृद्धि के साथ ऊर्जा दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार हो। आज की यह पहल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।" अमेजन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सभी 3,000 इलेक्ट्रिक ट्रक अगले तीन साल के भीतर तैनात किए जाएंगे।

खेल

न्यूजीलैंड के खिलाफ T20I सीरीज भारत के नाम, अभिशेक शर्मा के 38 गेंद में ठोके 113 रन

दोनों टीमों के बीच चल रही सीरीज के तीसरे T20I मैच में भारतीय टीम का सामना न्यूजीलैंड से हुआ। 27 अक्टूबर को वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार जीत दर्ज की। लक्ष्य का पीछा करते हुए अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी के दमदार प्रदर्शन ने न्यूजीलैंड (ब्लैक कैप्स) को पूरी तरह पछाड़ दिया। अभिषेक शर्मा ने 113 रन बनाए, जबकि वैभव सूर्यवंशी ने 45 रन का योगदान दिया। भारत ने 13.2 ओवर में 199 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया और 6 विकेट से जीत दर्ज की। 199 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, इस आक्रामक बाएं हाथ के बल्लेबाज ने शुरुआत से ही धुआंधार बल्लेबाजी की और इस कैलेंडर वर्ष में अपना दूसरा T20I शतक पूरा किया। इस बार वैभव सूर्यवंशी के साथ पारी की शुरुआत करते हुए, इस बाएं हाथ की जोड़ी ने पावरप्ले के दौरान कीवी गेंदबाजों की जमकर धुनाई



जिससे न्यूजीलैंड ने मैच की पहली पारी में कुल 198 रन बनाए। भारतीय टीम की ओर से अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और नीतीश कुमार रेड्डी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, जिन्होंने एक–एक विकेट लिया। 199 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने

ने 19 गेंदों में 45 रन बनाए, जबकि अभिषेक शर्मा ने शानदार शतक जड़ते हुए 38 गेंदों में 113 रन बनाए। भारतीय टीम ने मैच में अपना दबदबा बनाए रखा और 6 विकेट से जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही उन्होंने सीरीज भी अपने नाम कर ली, क्योंकि सीरीज में यह उनकी

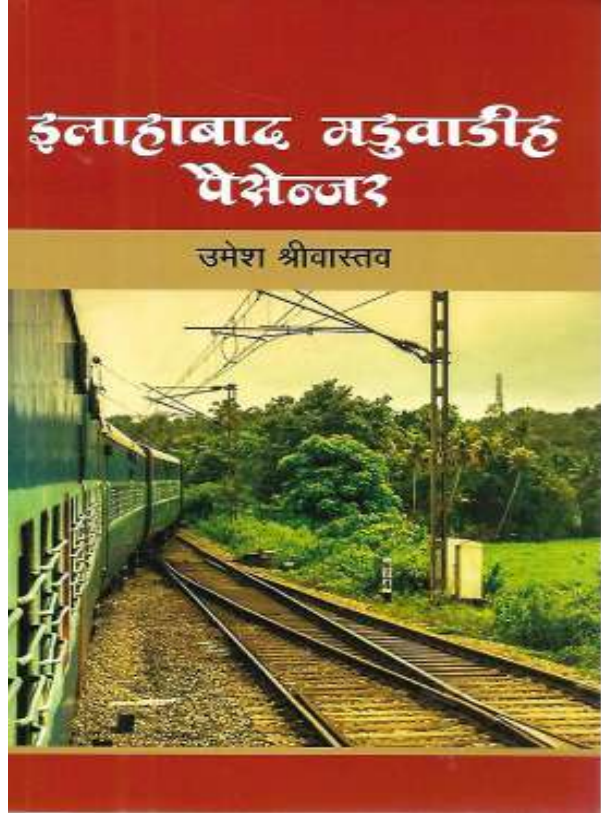
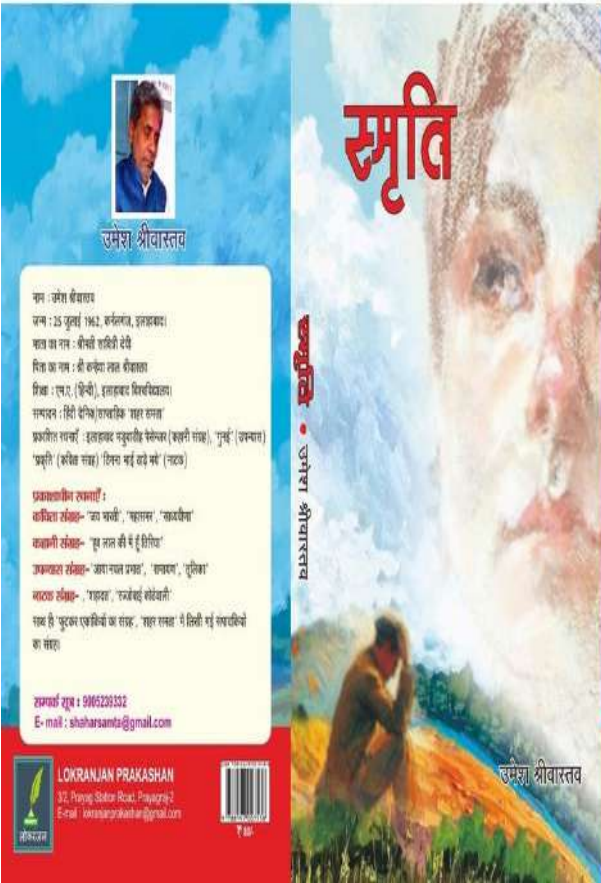
लगातार तीसरी जीत थी। अब दोनों टीमें सीरीज के चौथे T20I मैच की तैयारी करेंगी। 30 अक्टूबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में दोनों टीमों का आमना–सामना होगा, और दोनों ही पक्ष इस मुकाबले में एक बार फिर बेहतरीन प्रदर्शन करने की उम्मीद करेंगे।

स्टीव स्मिथ की चोट से ऑस्ट्रेलिया को लगा झटका, निर्णायक टेस्ट में प्लेइंग XI में चार बदलाव

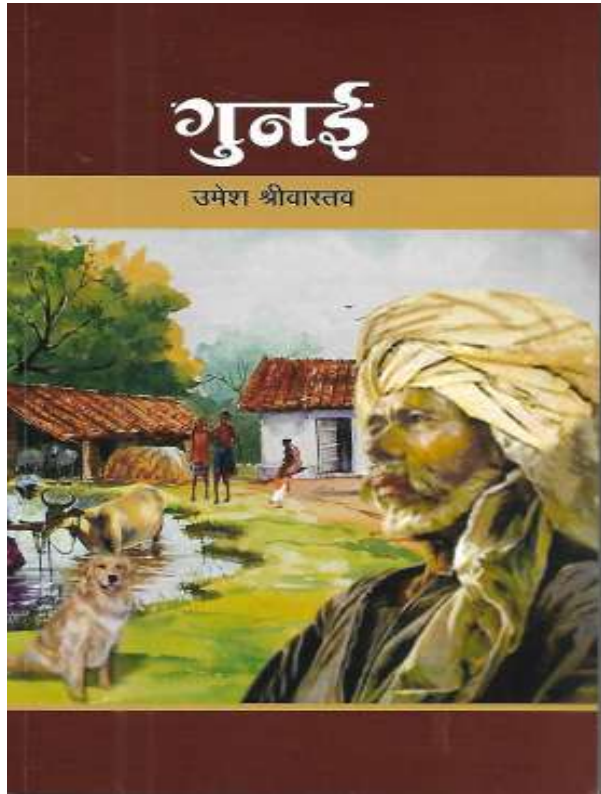
दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और आखिरी टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ा झटका लगा है। गर्दन की चोट के कारण स्टीव स्मिथ सीरीज के इस निर्णायक मैच से बाहर हो गए हैं। मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया के ट्रेनिंग सेशन के दौरान स्मिथ की गर्दन में जकडन आ गई थी और इस अहम मुकाबले से पहले उनका फिटनेस टेस्ट होना था। हालांकि, केपटाउन के न्यूलैंड्स में होने वाले इस टेस्ट के लिए उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया। गकेबेरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट के दौरान भी स्मिथ को गर्दन की समस्या से जूझना पड़ा था, जिसके कारण वह लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सके थे। उस मैच में ऑस्ट्रेलिया को एक पारी और 31 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। सीरीज के निर्णायक मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया ने

अपनी प्लेइंग इलेवन में चार बदलाव किए हैं। टीम में जोश इंग्लिस, कैमरून ग्रीन, कूपर कोनोली और नाथन लियोन को शामिल किया गया है। मेट रेनशॉ, जिन्होंने टीम में वापसी के बाद से ही सबको प्रभावित किया है, ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। वहीं, स्मिथ की गैरमौजूदगी में कैमरून ग्रीन के चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने की उम्मीद है। तीन मैचों की वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज फिलहाल 1–1 की बराबरी पर है। ऑस्ट्रेलिया ने डरबन में खेला गया पहला टेस्ट 214 रनों से जीता था, लेकिन दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका ने शानदार वापसी करते हुए सीरीज को निर्णायक मोड़ पर ला खड़ा किया।

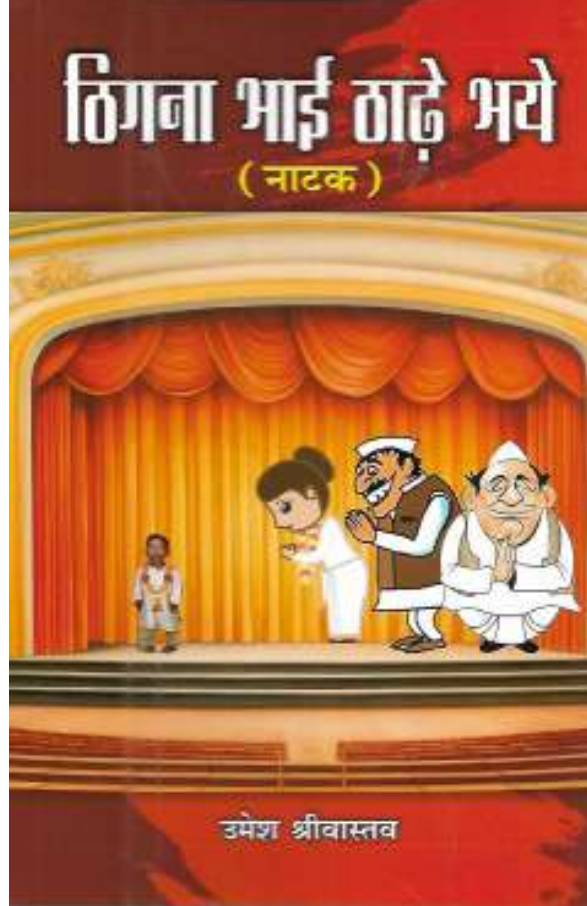
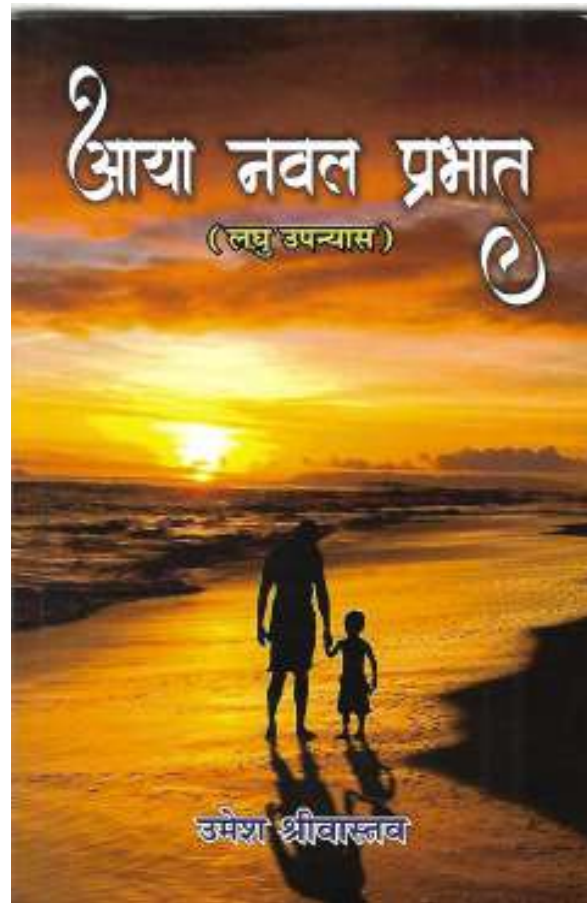
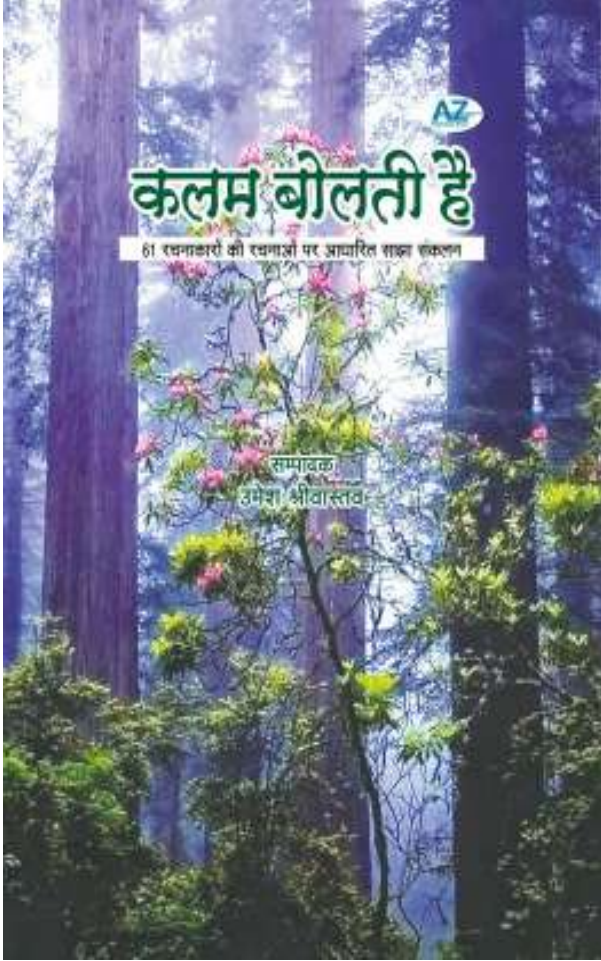
दक्षिण अफ्रीका (प्लेइंग XI): एडेन मार्करम, मार्कस एकरमैन, डेविड बेडिंगहैम, टेम्बा बावुमा (कप्तान), मैथ्यू ब्रेड्रज्के, रयान



समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पेसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

मिस्र की संसद के फैसले पर भड़का हूती गुट, कहा- सऊदी अरब की मदद जंग का ऐलान

खाड़ी क्षेत्र में तनाव बना रहा, क्योंकि एक हूथी अधिकारी ने दावा किया कि सऊदी अरब को सैन्य सहायता देने के लिए मिस्र की मंजूरी यमन के खिलाफ युद्ध की घोषणा के समान है। समाचार एजेंसी एएफपी के अनुसार, हूतियों के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य मोहम्मद अली अल-हूथी ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में ये बातें कहीं। उन्हें यह कहते हुए उद्धृत किया गया स्र और उसकी संसद ने सऊदी अरब साम्राज्य की रक्षा के नाम पर अपना समर्थन घोषित किया है, और ऐसा करके उसने यमन गणराज्य के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी है। एएफपी



की सोमवार की रिपोर्ट के अनुसार, यमन के हूतियों के हमलों से बचाव के लिए सऊदी अरब को सैन्य सहायता भेजने की मिस्र की संसद द्वारा मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद, हूती अधिकारी की यह टिप्पणी सामने आई है। पोर्ट में संसद के एक आधिकारिक बयान का हवाला देते हुए बताया गया है कि प्रतिनिधि सभा ने दो-तिहाई बहुमत से राष्ट्रपतिफतह अल-सीसी को सऊदी अरब का समर्थन करने के लिए जरूरी कदम उठाने की मंजूरी देने के पक्ष में मतदान किया।

जर्मनी में समूह पर कार चढ़ाने से 5 लोग घायल, पुलिस बोली- जानबूझकर बनाया निशाना

पुलिस की एक प्रवक्ता ने बताया कि सोमवार देर रात उत्तरी जर्मनी में, हनोवर के उत्तर-पश्चिम में स्थित न्यूस्टेट एम रूबेनबर्ग में, एक कार लोगों के एक समूह पर चढ़ गई, जिसके बाद पुलिस ने उस कार पर गोली चलाई। इस घटना में चार



से पांच लोग घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। हालांकि, प्रवक्ता ने बताया कि किसी की भी जान को खतरा नहीं है। घटना के हालात अभी स्पष्ट नहीं हैं। संदिग्ध लोग (जिनकी संख्या अभी पक्की नहीं है) गाड़ी वहीं छोड़कर पैदल ही भाग गए। पुलिस के अनुसार, शुरुआती तलाशी में वे नहीं मिले। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि वहां कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त थीं; कुछ के टायर फटे हुए थे, किसी की पिछली खिड़की टूटी हुई थी, तो किसी में गोलियों के निशान थे। शुरुआती जांच से पता चलता है कि इसमें शामिल लोग एक-दूसरे को जानते थे। प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस का मानना ​​​​छह है कि यह कोई इस्तेफाक नहीं था, बल्कि इस समूह को जानबूझकर निशाना बनाया गया होगा।

रूसी डीजल आयात पर अमेरिकी सांसदों ने अमेरिकी बैंकों और बंदरगाहों को दी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

वाशिंगटन। अमेरिकी सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने अमेरिकी बैंकों, बंदरगाह प्राधिकारियों और ईंधन वितरकों को चेतावनी दी है कि रूसी डीजल का आयात करने पर उन्हें कानूनी कार्रवाई और कांग्रेस की जांच का सामना करना पड़ सकता है। प्रमुख वित्तीय संस्थानों, बंदरगाहों और ईंधन वितरकों के प्रमुखों को लिखे पत्रों में सांसदों ने कहा कि अमेरिकी कानून का उल्लंघन करके आयात में मदद करने वाली कंपनियों को आपराधिक और दीवानी दायित्वों का सामना करना पड़ सकता है। ये पत्र ऐसी खबरों के बीच भेजे गए हैं कि रूसी डीजल की खप अमेरिकी तटों की ओर बढ़ रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस महीने की शुरुआत में एक छूट देते हुए रूस को अमेरिका सहित वैश्विक बाजारों में डीजल का आपूर्ति करने की अनुमति दी थी। सांसदों ने 2022 के 'एंडिंग इंफोर्टेशन ऑफ रशियन ऑयल एक्ट' की धारा दो का हवाला दिया। यह कानून सामान्य तौर पर रूस में उत्पादित ऊर्जा उत्पादों के आयात पर रोक लगाता है, जिनमें डीजल ईंधन भी शामिल है। कानून के तहत ऐसे आयात की अनुमति तभी दी जा सकती है, जब राष्ट्रपति कांग्रेस को प्रमाणित करें कि रूस ने यूक्रेन में सभी सैन्य शत्रुतापूर्ण गतिविधियां बंद कर दी हैं और उससे नाटो के सदस्य देशों को तत्काल कोई खतरा नहीं है।

गाजा और ईरान से लेकर तमाम इस्लामिक देशों में बेंजामिन नेतन्याहू की हार के लिए मांगी जा रही दुआएं



इजराइल में आज हो रहे संसदीय चुनाव में जनता सिर्फ अपने देश के भाग्य का फैसला नहीं कर रही, बल्कि उसके वोट का असर ईरान के भविष्य और पूरे मध्य-पूर्व की शांति पर भी पड़ेगा। हम आपको बता दें कि इस प्रकार की रिपोर्टें हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्यावधि चुनावों के बाद और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू संसदीय चुनावों के बाद ईरान पर हमलों के दूसरे दौर की तैयारी में हैं। ऐसे में इजराइल का यह चुनाव युद्ध और शांति के बीच खड़े मध्य-पूर्व का भविष्य तय करने वाला चुनाव बन गया है। नेतन्याहू की सत्ता में वापसी ईरान और हमास के खिलाफ नए सैन्य टकराव को जन्म दे सकती है, जबकि सत्ता परिवर्तन से रणनीति में बदलाव की गुंजाइश पैदा हो सकती है। इसलिए इजराइल में वोट सिर्फ सरकार चुनने के लिए नहीं पड़ रहे बल्कि उसके परिणाम यह भी तय करेंगे कि ईरान पर फिर बम बरसेंगे या नहीं। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस चुनाव का महत्व इसलिए भी है कि नेतन्याहू की जीत या हार से अमेरिका-इजराइल संबंधों, अरब देशों के साथ संभावित समझौतों और फिलिस्तीन के प्रश्न पर कूटनीतिक गुंजाइश प्रभावित हो सकती है। जहां तक चुनावी रुझानों की बात है तो आपको बता दें कि इजराइल के अखबार द टाइम्स ऑफ

इजराइल, हारेत्ज़ और द जेरुसलम पोस्ट के चुनाव-पूर्व विश्लेषणों में एक बात प्रमुखता से उभरी है कि नेतन्याहू के समर्थक और उनके विरोधी दो स्पष्ट राजनीतिक खेमों में बंटे हुए हैं। एक ओर नेतन्याहू की लिक्वुड पार्टी और उसके दक्षिणपंथी सहयोगी हैं, तो दूसरी ओर पूर्व सैन्य प्रमुख गादी आइजेनकोट के नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन है। मतदान से पहले आए सर्वेक्षणों में किसी भी खेमे को 120 सदस्यीय संसद में सरकार बनाने के लिए आवश्यक 61 सीटों का स्पष्ट बहुमत मिलाता दिखाई नहीं दिया। द टाइम्स ऑफ इजराइल के अंतिम सर्वेक्षण में दोनों प्रमुख खेमों को लगभग 51-51 सीटें मिलने का अनुमान था। माना जा रहा है कि इजराइल में भी छोटे दल किंगमेकर बन कर उभर सकते हैं। हम आपको

जांच और जवाबदेही की मांग उठाई है। इसके अलावा अति-रूढ़िवादी यहूदियों को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट देने का विवाद और न्यायपालिका की शक्तियों में कटौती की कोशिशें भी चुनावी बहस के केंद्र में हैं। साथ ही यह भी माना जा रहा है कि यदि नेतन्याहू का गठबंधन बहुमत जुटाने में विफल रहता है, तो उनके लंबे राजनीतिक कैरियर पर गंभीर संकट आ सकता है। हालांकि, यदि विपक्ष भी पर्याप्त समर्थन नहीं जुटा पाया, तो गठबंधन सरकार, अल्पमत सरकार या नए चुनाव जैसी संभावनाएं सामने आ सकती हैं। दूसरी ओर, अमेरिका में इस चुनाव को लेकर सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत ट्रंप का नेतन्याहू के पक्ष में समर्थन है। वाशिंगटन के लिए इजराइल केवल सहयोगी देश नहीं, बल्कि मध्य-पूर्व की सुरक्षा रणनीति

का अहम हिस्सा है। लेकिन नेतन्याहू के साथ करीबी संबंधों के बावजूद अमेरिका के सामने यह चुनौती भी है कि वह क्षेत्रीय युद्ध को व्यापक संघर्ष में बदलने से कैसे रोके। इसके अलावा, इस चुनाव का सबसे संवेदनशील पहलू ईरान है। द जेरुसलम पोस्ट ने चुनाव से पहले प्रकाशित अपने विश्लेषण में ईरान के खतरे और नेतन्याहू के नेतृत्व पर जनता के भरोसे को चुनावी बहस के प्रमुख मुद्दों में रखा। वहीं एक अन्य विश्लेषण के मुताबिक, नेतन्याहू के विरोधियों की जीत भी ईरान के प्रति इजराइल की मूल सुखा नीति में तत्काल और बुनियादी बदलाव की गारंटी नहीं होगी। माना जा रहा है कि नेतन्याहू दोबारा सत्ता में आते हैं, तो दक्षिणपंथी सहयोगियों के दबाव में ईरान के खिलाफ अधिक आक्रामक नीति अपनाने की आशंका बढ़ सकती है। इसके विपरीत, विपक्षी सरकार अमेरिका और क्षेत्रीय शक्तियों के साथ समन्वय तथा कूटनीतिक विकल्पों को अधिक महत्व देने की कोशिश कर सकती है। वहीं ईरान के लिए भी इजराइल का परिणाम महत्वपूर्ण होगा। नेतन्याहू की मजबूती तेहरान पर सैन्य और कूटनीतिक दबाव बढ़ा सकती है, जबकि इजराइल में राजनीतिक अनिश्चितता ईरान को रणनीतिक अवसर दे सकती है। हम आपको यह भी बता दें कि रिपोर्टों के मुताबिक, गाजा,

ईरान और कई अन्य मुस्लिम देशों में नेतन्याहू की हार के लिए दुआएं मांगी जा रही हैं। दरअसल, नेतन्याहू की राजनीति और सैन्य कार्रवाइयों को लेकर इस्लामिक देशों में गहरा आक्रोश है और उनकी सत्ता से विदाई को मध्य-पूर्व की मौजूदा परिस्थितियों में बदलाव की उम्मीद के तौर पर देखा जा रहा है। ऐसे में इजराइल के इस चुनाव पर सिर्फ वहां के नागरिकों की ही नहीं, बल्कि उन करोड़ों लोगों की भी निगाहें टिकी हैं, जो नेतन्याहू की हार चाहते हैं। अब देखना यह है कि गाजा और ईरान समेत तमाम मुस्लिम देशों में मांगी जा रही दुआएं कबूल होती हैं या नेतन्याहू एक बार फिर चुनावी बाजी जीतकर अपने विरोधियों की उम्मीदों पर पानी फेर देते हैं। बहरहाल, इजराइल के इस चुनाव में असली मुकाबला केवल नेतन्याहू और आइजेनकोट के बीच नहीं है। यह सुरक्षा के नाम पर निरंतर सैन्य कार्रवाई और जवाबदेह नेतृत्व की मांग के बीच भी संघर्ष है। नेतन्याहू जीतते हैं, तो इसे उनकी राजनीतिक वापसी और सुरक्षा नीति के समर्थन के रूप में देखा जाएगा। यदि विपक्ष बहुमत जुटाता है, तो यह जवाबदेही और राजनीतिक बदलाव का संकेत होगा। लेकिन दोनों ही स्थितियों में ईरान, गाजा और मध्य-पूर्व की अस्थिरता इजराइल की अगली सरकार की सबसे बड़ी परीक्षा बनी रहेगी।

जश्वर्दन ने चर्च हमले के बाद सीरिया में आतंकी ठिकानों पर की एयरस्ट्राइक

जॉर्डन की वायुसेना ने कराक स्थित एक 'ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च' पर शुक्रवार को हुए हमले के जवाब में सीरिया में सक्रिय आतंकवादी समूहों पर हवाई हमले किए। सरकारी मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। गिरजाघर पर हुए इस हमले में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई थी। सरकारी मीडिया की खबर के अनुसार, इस सैन्य कार्रवाई में "इन आतंकवादी समूहों के कई सदस्य मारे गए एवं घायल हुए और उनके कई वाहन नष्ट हो गए।" हालांकि, इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया कि ये कोन से समूह थे या हमले किस स्थान पर किए गए। सीरिया के अधिकारियों की ओर से भी इस पर फिलहाल कोई बयान नहीं दिया गया है। इससे पहले जॉर्डन के अधिकारियों ने पिछले सप्ताह हुए हमले के सिलसिले में सोमवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि यह गिरफ्तारी तड़के हुई मुठभेड़ के बाद हुई और तीनों आरोपी घायल हो गए। जॉर्डन की राजधानी अम्मान से लगभग 90 किलोमीटर दक्षिण में स्थित कराक शहर में एक अतिम संस्कार के दौरान शुक्रवार को 'ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च' पर हमला हुआ। विकासशील देशों में औद्योगिकीकरण और रोजगार के लिए Power जरूरी: श्रीपद येसो नाइक

सिंगापुर। केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक ने विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए भारत के व्यावहारिक दृष्टिकोण को सामने रखते हुए कहा है कि उमरती अर्थव्यवस्थाओं में औद्योगिकीकरण, रोजगार सृजन और जीवन स्तर में सुधार के लिए ऊर्जा की उपलब्धता जरूरी है। नाइक ने सोमवार को सिंगापुर में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए केवल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि बिजली वितरण नेटवर्क को मजबूत करने, वितरण व्यवस्था को कुशल बनाने, ऊर्जा भंडारण और संचालन में लचीलापन लाने की भी जरूरत है। उन्होंने कहा, "इस वैश्विक परिदृश्य में भारत का अनुभव एक व्यावहारिक दृष्टिकोण पेश करता है। भारत दुनिया में बिजली का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। देश की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता लगभग 560 गीगावाट है जिसमें करीब 308 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त होती है।" केंद्रीय विद्युत तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री ने कहा, "उमरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए औद्योगिकीकरण, रोजगार सृजन, जीवन स्तर में सुधार और आवश्यक सेवाओं के लिए ऊर्जा की उपलब्धता जरूरी है।

कांगो में इबोला का प्रकोप हुआ भीषण, 10000 से अधिक पुष्ट मामलों में से करीब आधों की मौत

कांगो में इबोला का तेजी से फैल रहा प्रकोप 10,000 पुष्ट मामलों के आंकड़े को पार कर गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, स्वास्थ्य अधिकारी अफ्रीका के कई देशों में इस बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं। कांगो के स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, इतिहास में इबोला का यह सबसे तेजी से बढ़ता प्रकोप है। संक्रमण की पुष्टि वाले 10,060 लोगों में से करीब आधे लोगों की मौत हो चुकी है। यह कांगो के इतिहास में इस बीमारी का सबसे घातक प्रकोप भी है। मई में घोषित इस प्रकोप के लिए दुर्लभ बुंदिबुग्यो वायरस जिम्मेदार है। इस वायरस के खिलाफ फिलहाल कोई स्वीकृत टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है। राहत एवं बचाव दल सशस्त्र संघर्ष, खराब सड़कों और अविश्वास तथा गलत सूचनाओं के कारण स्थानीय लोगों की हिसा जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इन बाधाओं के चलते उन समुदायों में लोगों को बीमारी के लक्षणों की जानकारी देने और उपचार

कराने के लिए राजी करना मुश्किल हो रहा है, जिन्होंने वर्षों तक हिंसा और बार-बार फैलने वाली महामारियों का सामना किया है। 2014 से 2016 के बीच पश्चिम अफ्रीका में फैले इबोला प्रकोप में 28,000 से अधिक मामले सामने आए थे और 11,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। वह इतिहास का सबसे बड़ा और सबसे घातक इबोला प्रकोप था। हालांकि, मौजूदा प्रकोप की घोषणा के बाद से अब तक दर्ज मामलों और मौतों की संख्या उस अवधि के दौरान पश्चिम अफ्रीका में दर्ज आंकड़ों की तुलना में कम से कम तीन गुना है। इबोला का मौजूदा प्रकोप पिछले किसी भी प्रकोप के मुकाबले अफ्रीका के अधिक हिस्सों में फैल चुका है। यह तीन क्षेत्रों तक पहुंच गया है और केन्या तथा नाइजीरिया में भी इसके मामले सामने आए हैं। अब तक युगांडा और फ्रांस समेत पांच देशों में संक्रमण दर्ज किया गया है। हालांकि, इन दोनों देशों में फिलहाल कोई उपचाराधीन मामला नहीं है। अफ्रीका में संक्रमण के प्रसार की एक प्रमुख

समस्या निगरानी व्यवस्था में ढिलाई दिखाई देना है। शुरुआती मामलों में से अधिकांश की पुष्टि लोगों में लक्षण दिखने या उनके यात्रा करने के काफी समय बाद हुई। कांगो में बीमारी मई में पहली बार घोषित किए जाने के समय तीन स्वास्थ्य क्षेत्रों तक सीमित थी, लेकिन अब यह आठ प्रांतों के 66 स्वास्थ्य क्षेत्रों में फैल चुकी है। स्वास्थ्य अधिकारियों के सामने एक बड़ी चुनौती संक्रमित लोगों की समय पर पहचान करना है। दर्ज मामलों में करीब 80 प्रतिशत ऐसे लोगों से जुड़े हैं, जो पहले से निगरानी में रहे गए संक्रमितों के संपर्कों में शामिल नहीं थे। अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के अनुसार, प्रकोप को काफी हद तक नियंत्रण में मानने के लिए कम से कम 95 प्रतिशत मामले ज्ञात संपर्कों में सामने आने चाहिए। स्वास्थ्यकर्मियों को उपचार केंद्रों में मरीजों की बढ़ती संख्या, वेतन में देरी और स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। पिछले सप्ताह इटुरी प्रांत के निघा निया स्वास्थ्य क्षेत्र में बकाया प्रोत्साहन राशि

के भुगतान की मांग को लेकर कुछ कर्मचारियों ने हड़ताल की थी। शनिवार को शोपो प्रांत के बाफवासेंदे में इबोला संक्रमण की सूचना पर कार्रवाई के दौरान एक नर्स की हत्या कर दी गई और एक अन्य स्वास्थ्यकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। दर्ज मौतों में से कम से कम आधी ऐसे लोगों की हुई हैं, जिन्हें उपचार केंद्रों में भर्ती नहीं कराया गया था। इससे कई क्षेत्रों में लक्षणों की जानकारी नहीं दिए जाने और समय पर उपचार नहीं मिलने की समस्या सामने आती है। इबोला के प्रकोप से कांगो की पहले से दबाव में चल रही स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। इससे हैजा जैसी अन्य बीमारियों से निपटने के प्रयासों पर असर पड़ा है। संक्रमण के डर से गर्भवती महिलाएं अस्पताल जाने से बच रही हैं, जिसके कारण कुछ प्रांतों में मातृ मृत्यु दर दोगुनी हो गई है। बच्चों के नियमित टीकाकरण और शिक्षा पर भी असर पड़ा है तथा प्रभावित परिवारों को सामाजिक कलंक और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

तेल ठिकानों की सुरक्षा के लिए ईरान में बनी सीजफायर डील, हूती को 1 अरब डॉलर देगा सऊदी अरब

इजरायली मीडिया ने खाड़ी क्षेत्र के राजनयिक सूत्रों के हवाले से बताया है कि सऊदी अरब ने यमन के हूथी समूह को 1 अरब अमेरिकी डॉलर देने की पेशकश की है। यह पेशकश ईरान की मध्यस्थता में हुए एक समझौते का हिस्सा है, जिसका मकसद युद्धविराम लागू करना और सऊदी अरब पर हो रहे हमलों को रोकना है। खबरों के अनुसार, सऊदी रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान हूथियों के साथ युद्धविराम पर बातचीत करने के लिए तेहरान गए थे। इस प्रस्तावित समझौते के तहत ईरान के माध्यम से हूथी समूह को 1 अरब अमेरिकी डॉलर दिए जाने की बात है। एक राजनयिक सूत्र ने दावा किया कि सऊदी मंत्री यह रकम अपने साथ शहरव्यूलिसह सैन्य परिवहन विमान में रखकर तेहरान लाए थे। हालांकि, सऊदी अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि कोई रकम ट्रांसफर की गई है या नहीं। खबरों के

मुताबिक, इस बातचीत में तुर्की के खुफिया प्रमुख इब्राहिम कालिन और पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी शामिल थे। इनके अलावा, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, सुप्रिम



नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के महासचिव मोहसेन रेजाई और इस्लामिक रियोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के वरिष्ठ अधिकारी भी इस चर्चा का हिस्सा थे। खबरों के अनुसार, सऊदी अरब के हवाई अड्डों और तेल सुविधाओं पर बढ़ते हमलों के बीच ईरान ने सऊदी अरब और हूथियों के बीच मध्यस्थता करने की पेशकश की। इन हमलों से सऊदी अरब को काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) में टैंकरों पर हुए हमलों के कारण खाड़ी क्षेत्र से तेल के निर्यात में भी बाधा आई है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित

शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र

समस्त जनपदों में • तहसील • ब्लॉक / शहर में

भर्ती - निम्न पदों हेतु

- ब्यूरो प्रमुख
- चौफ रिपोर्टर
- संपादक
- प्रतिनिधि मण्डल

- समाचार संकलन एवं ब्यूरो संचालन हेतु
- क्षेत्रीय रिपोर्टर व समाचार कवरेज हेतु
- स्थानीय समाचार, घटनाओं की रिपोर्टिंग हेतु
- जिला/तहसील/ब्लॉक स्तर पर प्रतिनिधित्व हेतु

आकर्षक वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी

पात्रता एवं विवरण

- पत्रकारिता में रुचि रखने वाले उम्मीदवारों को आवेदन कर सकते हैं
- स्थानीय खबरों की समझ और दिली रुचि अनिवार्य आवश्यकता
- सफलतापूर्वक हो सके

संपर्क सूत्र:

919005239332 919450482227

संपर्क करें: शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र कार्यालय, प्रयागराज

हमारे साथ जुड़ें और पत्रकारिता में बनाएं अपना भविष्य !

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा

कम्प्यूटरेड बिजनेस सर्विसेज,

विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई

लूकरांज, इलाहाबाद से

मुद्रित कराकर

289/238ए,कर्नलगंज

इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।